वर्ष : 33 ▸ अंक : 170 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, बुधवार, 4 सितंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

12 लोगों की मौत, 1,454 गांवों में फसलों को नुकसान

बीड, परभणी, लातूर और नांदेड़ जिलों में प्रमुख फसलें हुई बर्बाद

मराठवाड़ा में भारी बारिश से हाहाकार

मराठवाड़ा के 1,454 गांवों में असर

बाढ़ का असर मराठवाड़ा के 1,454 गांवों में देखा गया है। 169 पशुओं की मौत हो गई है और 621 घायल या प्रभावित हुए हैं। ऐतिहासिक रूप से सूखे का सामना करने वाला मराठवाड़ा क्षेत्र अब भारी बारिश से जूझ रहा है। इससे प्रशासन और निवासियों दोनों के सामने नई चुनौतियां हैं। मॉनसून अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में जान-माल के और नुकसान की आशंका बनी हुई है।

नांदेड़ जिले में गोदावरी नदी खतरे के निशान के पार, अब तक 200 परिवार स्थानांतरित

नांदेड़ जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही घनघोर बारिश के चलते गोदावरी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। जिला प्रशासन ने गोदावरी नदी के तटीय इलाकों से मंगलवार सुबह तक 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। जिले में भारी बारिश के कारण जिले के सभी नदी-नालों में बाढ़ आ गई है, इससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जिला प्रशासन ने गोदावरी नदी के तटीय इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थल पर जाने की अपील की है।

अमित बृज । मुंबई

मराठवाड़ा में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। इससे 12 लोगों की मौत हो गई है और 5,08,068 हेक्टेयर में फसलों को नुकसान पहुंचा है। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने परभणी, हिंगोली और नांदेड़ जिलों में काफी नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ के पानी से नदियां और नाले उफान पर हैं, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है और फसलें जलमग्न हो गई हैं। बीड, नांदेड़, परभणी और लातूर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश के कारण कई जगहों पर घर ढह गए हैं और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बारिश से 12 लोगों की मौत

बारिश से संबंधित घटनाओं में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से एक मौत छत्रपति संभाजीनगर जिले से, एक जालना से, एक हिंगोली से, एक बीड से और एक लातूर से हुई है। कई और लोगों के लापता होने की आशंका है। दूर-दराज के इलाकों से जानकारी मिलने पर मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

नांदेड़ में 36 घंटे से लगातार बारिश

नांदेड़ जिले में 36 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को जलाशयों से पानी छोड़ना पड़ा है। नांदेड़ के जिलाधिकारी अभिजीत राउत ने लोगों से खासकर नदियों, बांधों और जलाशयों के पास रहने वालों से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

भारी बारिश से 21 मकान ढह गए

लगातार पानी आने से जलाशयों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन को फ्लडगेट खोलने पड़े हैं। स्थिति पर प्रशासन की कड़ी नज़र है। आपदा प्रबंधन दल, कृषि अधिकारी और पुलिस हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। भारी बारिश के कारण क्षेत्र में 21 मकान ढह गए हैं। लगातार बारिश से और बाढ़ आने की आशंका है। बारिश जारी रही तो जलाशयों से और पानी छोड़ा जा सकता है।

मराठवाड़ा के 6 लाख से ज्यादा किसान प्रभावित

बारिश ने मराठवाड़ा के छह लाख से ज्यादा किसानों को प्रभावित किया है। कई किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। उन्हें अब कोई उम्मीद नज़र नहीं आ रही है। 4,96,392 हेक्टेयर में फैली सूखी भूमि की फसलें और 11,497 हेक्टेयर सिंचित भूमि गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

मशीन में फंसकर 3 साल के बच्चे की मौत

अंबरनाथ। अंबरनाथ शहर के आनंदनगर एमआईडीसी में स्थित राधेकृष्णा बेकर्स कंपनी में मंगलवार को बिस्किट बनाने वाली मशीन में फंसकर 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने बच्चे का शव पोस्ट मार्टम के लिए उल्हासनगर सरकारी केंद्रीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार अंबरनाथ एमआईडीसी में बिस्किट कंपनी राधेकृष्ण बेकर्स में कुछ दिन पहले बिहार की रहने वाली पूजा चौहान काम करने आई थी। उसके 3 साल के बेटे आयुष की देखभाल के लिए घर पर कोई नहीं था, इसलिए वह उसे अपने साथ काम पर लाती थी। सुबह करीब साढ़े आठ बजे पूजा कंपनी में काम कर रही थी। उसी समय पूजा चौहान का बेटा आयुष बिस्किट बनाने वाली मशीन के पास पहुंचा और बेल्ट में फंस गया। दुर्भाग्यवश मशीन में फंसने से आयुष की मौत हो गई।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़, अब तक 9 नक्सली ढेर; मुठभेड़ जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने अब तक 9 नक्सलियों को मार गिराया है। घटनास्थल से नक्सलियों के शवों के साथ एसएलआर, 303 और 12 बोर के हथियार भी बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बस्तर डिवीजन में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। मंगलवार सुबह 10:30 बजे सर्चिंग के दौरान पुलिस पार्टी का सामना पीएलजीए की कंपनी नंबर 02 के नक्सलियों से हुआ, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को कड़ा जवाब दिया और 9 नक्सलियों को मार गिराया। घटनास्थल से नक्सलियों के शवों के साथ हथियार भी बरामद हुए हैं।

60 हजार एसटी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र में राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के 35 डिपो के तकरीबन 60 हजार कर्मचारियों ने सातवें वेतन आयोग के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान वेतन की मांग को लेकर मंगलवार सुबह से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन शुरू कर दिया है। इससे ग्रामीण इलाकों में राज्य में एसटी यातायात प्रभावित हुआ है और यात्रियों को परेशानी हो रही है। एसटी कर्मचारी संगठन के नेता श्रीरंग बर्गे ने बताया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती, आंदोलन जारी रहेगा।

11 ट्रेड यूनियनों की एक्शन कमेटी ने की हड़ताल की घोषणा

जानकारी के अनुसार एसटी कर्मचारियों के 11 ट्रेड यूनियनों की एक्शन कमेटी ने मंगलवार 3 सितंबर सुबह से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करने की घोषणा की थी। इसके बाद उद्योगमंत्री उदय सामंत यूनियन नेताओं से चर्चा की अपील की थी। लेकिन एसटी कर्मचारियों की ओर से उद्योगमंत्री की अपील को ठुकरा दिया गया है और सिर्फ मुख्यमंत्री से ही चर्चा किए जाने का संकेत दिया गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एसटी कर्मचारियों के नेताओं से चर्चा करने का समय दिया है।

एसटी महामंडल के कुल 251 डिपो में 80 हजार कर्मचारी कार्यरत

जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र में एसटी महामंडल के कुल 251 डिपो में 80 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 60 हजार कर्मचारी आंदोलन पर हैं, इससे ग्रामीण इलाकों में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुणे जिले के शिवाजीनगर, वल्लभनगर, भोर, सासवड, बारामती, तालेगांव, सांगली जिले में मिराज, जाट, पलूस, सतारा जिले के कराड, वडुज, महाबलेश्वर, नासिक जिले के खानदेश, नासिक, पिंपलगांव, पेठ आगार और जलगांव जिले के भुसावल, चालीसगांव डिपो पूरी तरह से बंद हैं। अन्य स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ है।

शिवाजी महाराज प्रतिमा प्रकरण

शिंदे सरकार का एक्शन शुरू

जिलाधिकारी का तबादला, डिमोशन भी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के बाद पहली बड़ी कार्रवाई वहां के जिलाधिकारी पर हुई है। सिंधुदुर्ग के जिलाधिकारी किशोर एस तावड़े का अचानक तबादला कर दिया गया है। यही नहीं, उन्हें पदावनत भी कर दिया गया है। उन्हें गैर-आईएएस जूनियर प्रशासनिक स्तर की श्रेणी की जिम्मेदारी दे दी गई है। उनके स्थान पर हाफकिन बायो-फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अनिल ए. पाटिल को सिंधुदुर्ग का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

खराब मौसम के कारण गिरी थी छत्रपति की प्रतिमा

यह आदेश उस घटना के ठीक एक सप्ताह बाद आया है, जब समुद्र तटीय खुबसूरत शहर राजकोट किले के 10 फीट ऊंचे मंच पर स्थापित 28 फीट ऊंची छत्रपति की प्रतिमा खराब मौसम के कारण गिर गई थी। तावड़े पुणे स्थित महाराष्ट्र राज्य कृषि निगम लिमिटेड के नए प्रबंध निदेशक होंगे।

मूर्ति गिरने पर सियासी घमासान

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा सोमवार देर रात जारी किए गए स्थानांतरण आदेश के अनुसार, दोनों अधिकारियों तावड़े और पाटिल को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर अपने नए पदभार संभालने का निर्देश दिया गया है। मूर्ति ढहने की घटना के बाद से महाराष्ट्र में राजनीतिक हंगामा मचा हुआ है। इस मामले में अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं उप मुख्यमंत्री अजीत पवार भी सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुके हैं। एजेंसी के अनुसार, प्रतिमा ढहने के मामले में मूर्तिकार जयदीप आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। आप्टे को ही मूर्ति बनाने का अनुबंध मिला था। इस मामले में आप्टे और उनके सहयोगी चेतन पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पाटिल की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि आप्टे की तलाश जारी है।

रूस-यूक्रेन वॉर : रूस ने यूक्रेन पर दागी बैलेस्टिक मिसाइल

41 लोगों की मौत, 180 घायल, पुतिन को चेतावनी

एजेंसी । नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरु हुए काफी समय बीत चुका है। इसके बावजूद यह युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इसी बीच यूक्रेन के पोल्तवा शहर पर दो बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ है। इस हमले में तकरीबन 41 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। जबकि हमले में लगभग 180 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमीर जेलेंस्की ने इस हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि रूस की ओर से अब तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडोमीर जेलेंस्की ने इस हमले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश के मध्य भाग में एक रूसी हमले से लगभग 41 लोग मारे गए और 180 घायल हुए हैं। उन्होंने मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका भी जताई है।

'मराठा विरोधी हैं फडणवीस'

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मराठा आरक्षण आंदोलनकर्ता मनोज जरांगे आए दिन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाते रहते हैं। मंगलवार को जरांगे ने उपमुख्यमंत्री पर फिर एक बार हमला बोला है। मनोज जरांगे ने फडणवीस को मराठाओं का विरोधी बताते हुए कहा कि उनकी वजह से ही आरक्षण का मामला लटका है। उन्होंने कहा कि फडणवीस के बिना सरकार में कोई भी फैसला नहीं होता। मराठा आरक्षण आंदोलन की अगुवाई करने वाले कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 'मराठियों से नफरत करने वाला' करार दिया और दावा किया कि राज्य सरकार में उनकी इच्छा के बिना कुछ भी नहीं होता तथा वह वही करते हैं जो उन्हें सही लगता है। मनोज जरांगे ने यह भी चेतावनी दी कि अगर मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं मिला तो राज्य में महायुति गठबंधन सत्ता में नहीं रहेगा। जरांगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह 'लाडली बहन योजना' जैसी योजनाएं ला रही है, लेकिन वह समुदाय को न तो कोटा प्रदान करने के लिए तैयार है ना ही और कृषि उपज को उचित मूल्य दे रही है।

मनोज जरांगे का डिप्टी सीएम पर बड़ा आरोप

'फडणवीस नहीं होने दे रहे काम'

जरांगे सभी कुनबी (कृषक) और उनके 'सगे सोयरे' को मराठा के रूप में मान्यता देने के लिए ओबीसी प्रमाण पत्र की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 'फडणवीस मराठियों से नफरत करने वाले हैं। मराठों के प्रति उनमें इतनी नफरत है कि वह 'सगे सोयरे' को आरक्षण संबंधी अध्यादेश का काम नहीं होने दे रहे हैं। उन्हें राकांपा के मंत्री छगन भुजबल का समर्थन हासिल है, जिसके आधार पर समुदायों के बीच जहर फैलाने का काम चल रहा है।'

समुदाय से बातचीत के बाद चुनाव को फैसला

आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने की उनकी योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उम्मीदवार उतारने या विपक्षी उम्मीदवारों को हराने का फैसला समुदाय के साथ बातचीत करने के बाद लिया जाएगा।

चुनाव ▸ महायुति के सीट बंटवारे पर सुनील तटकरे का बड़ा खुलासा

कम से कम 60 सीटों पर लड़ेगी एनसीपी

मुनीब चौरसिया । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की संसदीय समिति की बैठक मंगलवार को मुंबई में संपन्न हुई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार के मार्गदर्शन तथा व महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुनील तटकरे के नेतृत्व में संपन्न हुई बैठक में 'जनसम्मान यात्रा' के तीसरे चरण की योजना बनाई गई। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर भी चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी महायुति में कम से कम 60 सीटों पर अपने उम्मीदवार लड़ाएगी। सुनील तटकरे ने बताया कि एनसीपी (अजित पवार) की जनसम्मान यात्रा का दूसरा चरण हाल ही में संपन्न हुआ और अब तीसरे चरण को कब आयोजित किया जाए इस पर चर्चा के लिए आयोजित संसदीय समिति की बैठक हुई। महायुति के नेताओं के साथ संपन्न हुई बैठक के अनुरूप निर्वाचन क्षेत्रवार समीक्षा करने और उसकी योजना बनाने पर भी चर्चा हुई।

जारी रहेंगे अन्य कार्यक्रम

महायुति की बैठक में क्या मुद्दे होने चाहिए, इसकी प्रारंभिक चर्चा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी की बैठक में भी इस पर चर्चा की गई। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में बप्पा का आगमन हो रहा है, इसलिए कुछ दिनों के लिए जनसम्मान यात्रा रोकनी पड़ी है लेकिन इस दौरान भी पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठ जैसे युवा, युवतियां, विद्यार्थी, महिलाएं आदि क्या कार्यक्रम कर सकते हैं, इस पर भी चर्चा की गई।

60 सीटें क्यों?

सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया हमने 60 सीटें लड़ने का इरादा अभी व्यक्त नहीं किया लेकिन पार्टी ने 54 सीटें जीती हैं। इसके अलावा पार्टी के साथ निर्दलीय भी जुड़े हैं और अन्य सहयोगियों को साथ मिलाकर हमारे विधायकों की संख्या 60 के आसपास हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए ही हम चर्चा करेंगे।

जीतने की क्षमता के आधार पर सीटों का बंटवारा

एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि लोकसभा में सीट बंटवारे का मुद्दा था। स्वाभाविक रूप से, 2019 में राष्ट्रवादी कांग्रेस की चार सीटें थीं। शिवसेना और भाजपा ने अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा था। अब विधानसभा में जीतने की क्षमता के फार्मूले के आधार पर सीटों के बंटवारे पर चर्चा की जाएगी।

लाडकी बहिन योजना में आवेदन के लिए अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

नितिन तोरस्कर । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने लाडकी बहिन योजना के तहत आवेदन के लिए समयसीमा को 30 सितंबर तक बढ़ा दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने यह जानकारी दी। शुरुआत में इस योजना के तहत आवेदन करने की तिथि 31 जुलाई तय की गई थी, लेकिन काफी संख्या में आवेदन मिलने के कारण इसे 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। तटकरे ने कहा कि योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए पात्र महिलाओं द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है।

राजकोष पर सालाना 46,000 करोड़ का बोझ

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए एक प्रमुख योजना के तौर पर जून के अंत में बजट में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की घोषणा की थी। इससे राज्य के राजकोष पर सालाना 46,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ने का अंदेशा है।

एक्सपायरी डेट का स्टीकर लगाकर सामान बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

■ एक्सपायरी डेट के कॉस्मेटिक व खाद्य सामग्री पर नकली स्टीकर लगाकर करते थे बिक्री

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा स्थित एक गोदाम में एक्सपायरी डेट की सामग्री को बेचने के लिए टाइम पेरॉइड बढ़ा कर लेबल लगाने का काम चल रहा था जिसे बाद में उपभोताओं को धोखा दे कर फरोख्त किया जाता था। पुलिस ने इस गोदाम पर छापा मार कर इस गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 1 करोड़ 25 लाख रूपये कीमत के विभिन्न प्रकार की सामग्री जब्त किया है। जिसकी जानकारी भिवंडी परिमंडल दो के पुलिस उपायुक्त श्रीकांत परोपकारी ने नारपोली पुलिस स्टेशन में आयोजित एक पत्रकार परिषद में दी।

गुप्त जानकारी के बाद कार्रवाई

पुलिस उपायुक्त श्रीकांत परोपकारी ने बताया की ओवली गांव के एक गोदाम में एक्सपायरी डेट सामग्री का भंडार होने की गुप्त जानकारी उन्हें मोबाइल फोन के वाट्सअप पर एक वीडियो के जरिए मिली थी। इस प्रकरण मे उक्त गोदाम पर कार्रवाई करने का निर्देश पुलिस उपायुक्त श्रीकांत परोपकारी ने शांतिनगर पुलिस टीम को दिया था। जिसके बाद पुलिस निरीक्षक सुरेश चोपड़े व उनकी टीम ने उक्त गोदाम पर छापा मार कर वहां से करोड़ों रुपये के एक्सपायरी डेट का खाद्य पदार्थ और सौंदर्य प्रसाधनों का भंडार जब्त किया है। उन्होंने बताया की जब पुलिस टीम ने गोदाम पर छापा मारा तो गोदाम मालिक राजू अग्रवाल निवासी सांताक्रूज के गोदाम में एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थों और सौंदर्य प्रसाधनों के पुराने एक्सपायरी डेट के स्टिकर हटाकर नए स्टिकर चिपकाने का काम गोदाम प्रबंधक जतिन राजेश शर्मा (25) और सुरेश कल्पनाथ विश्वकर्मा (52) कर रहे थे।

करीब डेढ़ करोड़ का माल जब्त

इनके गोदाम में महंगे और नामी कंपनी के साबुन, शैंपू, बॉडी स्प्रे, बॉडी लोशन, बाथरूम क्लीनर, बूस्ट, जैम सहित एक्सपायरी डेट के कुल 1 करोड़ 25 लाख 86 हजार 26 रुपये कीमत का माल जब्त किया गया है। साथ ही तीन लोगों, राजू अग्रवाल, राजेश शर्मा, सुरेश कल्पनाथ विश्वकर्मा के खिलाफ नारपोली पुलिस में मामला दर्ज कर उन्हें नोटिस दिया गया है। पुलिस उपायुक्त श्रीकांत परोपकारी ने बताया कि जल्द ही इस संबंध में सारी जानकारी जुटाकर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी और यदि कोई ऐसी जगह है जहां इस तरह की एक्सपायरी सामग्रियां हैं तो इसकी सूचना पुलिस को दी जाएगी तो पुलिस उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगी।

मूर्तिकार के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस ने जारी किया लुकआउट नोटिस

दोपहर संवाददाता । सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के ढहने के सिलसिले में मूर्तिकार जयदीप आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि महायुति सरकार जयदीप आप्टे को छिपा रही है। संजय राउत ने कहा कि लोगों के मन में संदेह है कि आरोपी सीएम आवास वर्षा में छिपा है। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने डीसीएम देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला के इस्तीफे की मांग की। दरअसल, किसी व्यक्ति को देश से भागने से रोकने के लिए हवाई अड्डों और अन्य सभी निकास बिंदुओं पर एलओसी जारी किया जाता है। ठाणे के मूर्तिकार आप्टे ने मूर्ति बनाने का ठेका दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तटीय किले पर इसका उद्घाटन करने के नौ महीने से भी कम समय बाद 26 अगस्त को इसकी इमारत ढहने के बाद मालवन पुलिस ने आप्टे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल के खिलाफ लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया।

कौन हैं जयदीप आप्टे

महज़ 24 साल के जयदीप आप्टे कल्याण के रहने वाले हैं। आप्टे कल्याण में स्थित एक कलात्मक कंपनी के मालिक हैं। वे कल्याण के ही स्थायी निवासी हैं। बचपन से ही उन्हें मूर्तियां बनाने का शौक़ था। उन्होंने मुंबई स्थित एक कला विद्यालय से स्नातक किया है। जयदीप आप्टे को इतनी बड़ी मूर्ति बनाने का कभी अनुभव नहीं था, उन्होंने सिर्फ 2 फ़ीट ऊंची मूर्ति बनाई है। सवाल उठता है कि उन्हें नौसेना ने इतनी ऊँची मूर्ति बनाने का ठेका कैसे दिया?

जयदीप आप्टे की तलाश

अकेले मालवण पुलिस की 7 टीमें, महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों मुख्य रूप से मुंबई के शीर्ष पुलिस अधिकारी जयदीप आप्टे की तलाश में लगे हैं। पुलिस के अलग-अलग विभाग भी जयदीप आप्टे की तलाश में हैं। यूबीटी सेना पार्टी के मुखपत्र सामना ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया कि सीएम शिंदे ने शिंदे के बेटे एमपी श्रीकांत शिंदे के परिचित जयदीप आप्टे को ठेका दिया है। आप्टे सिर्फ़ 24 साल के हैं और उन्हें इतनी ऊँची मूर्ति बनाने का कोई अनुभव नहीं है। आप्टे ने एक इंटरव्यू में कहा कि ऐसी मूर्ति बनाने में तीन साल लगते हैं, जबकि उन्होंने कुछ ही महीनों में यह बना दिया। गौरतलब है कि सांसद श्रीकांत शिंदे कल्याण से हैं।

मनोज जरांगे ने धोखाधड़ी मामले में अदालत का किया रूख

कोर्ट ने जारी किया था गैर-जमानती वारंट

दोपहर संवाददाता । पुणे

मराठा आरक्षण की मांग कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने पुणे की एक कोर्ट में धोखाधड़ी के एक मामले को लेकर एक अर्जी दाखिल की है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2013 में एक मराठी नाटक के आयोजन से संबंधित वित्तीय विवाद हुए विवाद से जुड़े मामले में आरोपमुक्त करने के लिए अपने वकील के माध्यम से पुणे की एक अदालत में अर्जी दायर की है। वर्ष 2013 में एक मराठी नाटक के आयोजन से संबंधित वित्तीय विवाद को लेकर जरांगे और दो अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जुलाई में अदालत ने जरांगे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

गांजा तस्करों के गिरोह का पर्दाफाश

2 करोड़ 87 लाख का माल बरामद

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने बड़ी करवाई करते हुए एक गांजा तस्करों के गिरोह का पर्दाफाश कर इस गिरोह में शामिल पूरे 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही इनके पास से पुलिस ने पांच सौ तिरपन किलो 600 ग्राम गंजा जब्त किया है जिस की कीमत 2 करोड़ 87 लाख 61 हजार रूपए बताई जा रही है।

टेंपो पर फर्जी नंबर प्लेट लगा कर उड़ीसा से भिवंडी लाया था पांच सौ तिरपन किलो गांजा

9 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने अधिक मात्रा में ओडिसा से टेंपो में भर कर गांजा लाने व मंगवाने और खरीदी कर विक्री करने वाले 1) पति राम पंगी उर्फ सूरज, 2) अर्जुन लचना शेट्टी, 3) अमीन बाबू सैय्यद, 4) सलीम गुलामनबी शेख, 5) इमरान हाजी अहमद शेख, 6) रमजान वकील अहमद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। इन्होने टेंपो पर जाली नंबर प्लेट का उपयोग कर गांजे की तस्करी को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने इन तस्करों से गांजा ले कर भिवंडी में बिक्री करने वाले नाजिम हाफिज फराद अंसारी और अमित उर्फ किरण रंगराव सोमोने सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने टेंपो की असल नंबर प्लेट का पता लगाते हुए उक्त टेंपो को भी जब्त कर कुल दो करोड़ 87 लाख 61 हजार 680 रूपये मूल का सामान जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कोनगांव पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसकी आगे की जांच पुलिस निरीक्षक धनराज केदार कर रहे है।

भिवंडी क्राइम ब्रांच की बड़ी करवाई

क्राइम ब्रांच पुलिस निरीक्षक धनराज केदार ने जानकारी देते हुए बताया की क्राइम ब्रांच को मुखबिर द्वारा गुप्त सूचना मिली थी की कुछ लोग ओड़ीसा से टेंपो में गांजा भर कर भिवंडी लाने वाले है। इस सूचना के आधार पर भिवंडी क्राइम ब्रांच के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड के मार्गदर्शन में एपीआई धनराज केदार व उनकी पुलिस टीम ने कल शाम रांजनोली नाका स्थित पाइप लाइन रोड पर जाल बिछा कर बैठ गए और उसी दौरान वहां एक तपकिरी(पीली) रंग का टेंपो दिखाई दिया। पुलिस ने जब टेंपो की तलाशी ली तो उसमें 5 सौ 53 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे निरस्त

दोपहर संवाददाता । मुंबई

परिचालन संबंधी कुछ बाधाओं के कारण पश्चिम रेलवे द्वारा 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

निरस्त की जाने वाली ट्रेनें

- 7 और 14 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल – कटिहार साप्ताहिक स्पेशल
- 10 और 17 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09190 कटिहार – मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल
- 11 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल – काठगोदाम साप्ताहिक स्पेशल
- 12 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम – मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल
- 15 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09185 मुंबई सेंट्रल – कानपुर अनवरगंज साप्ताहिक स्पेशल
- 16 सितंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज – मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल

नाले में पत्थर से बंधा मिला 28 साल की महिला का शव

दोपहर संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक नाले से 28 वर्षीय एक महिला का शव बरामद हुआ है जिसके हाथ-पैर एक बड़े पत्थर से बंधे हुए थे। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सावरे गांव से सोमवार को शव बरामद हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पीड़ित की दो वर्ष की पुत्री भी लापता है और पुलिस ने उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि दोपहर में कुछ राहगीरों ने महिला का शव देखा और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी।

2 साल की बेटी भी लापता

मृतक की पहचान हुई

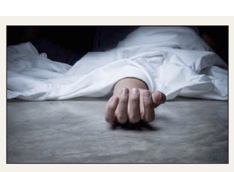

मौके पर पहुंचे पुलिस दल ने शव बरामद किया और मृतक की पहचान सुस्मिता दावरे के रूप में की गई। उन्होंने बताया कि महिला के हाथ-पैर रस्सी से एक बड़े पत्थर से बंधे हुए थे, जिससे हत्या का अंदेशा होता है। उन्होंने संदेह जताया कि महिला की हत्या कर शव को पहाड़ी के किनारे पानी में फेंक दिया गया होगा। अधिकारी ने बताया कि मनोर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात के खिलाफ हत्या तथा सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि हत्या का मकसद अभी ज्ञात नहीं हुआ है। अधिकारी के अनुसार, कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि पीड़िता का पति मछली पकड़ने वाली नाव पर काम करता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फिलहाल किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

कौमी तंजीम के प्रदेश उपाध्यक्ष और सचिव पद पर नियुक्तियां

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

पावरलूम संघटनाओं सहित कई सामाजिक तंजीमों के विभिन्न पदों पर कार्य करने का अनुभव रखने वाले पूर्व विधायक व भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन को ऑल इंडिया कौमी तंजीम का महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष और अर्शी आज़मी को महाराष्ट्र प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। जिसे लेकर भिवंडी अल्फसंख्यक समाज में हर्ष का माहौल है। मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयूजित एक समारोह में एडवोकेट अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन और अर्शी आज़मी को कौमी तंजीम का नियुक्ति पत्र सौंपते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री, ऑल इंडिया कौमी तंजीम के अध्यक्ष व सांसद तारिक अनवर ने दोनों का सत्कार कर मुबारकबाद दी।

वागले इस्टेट प्रभाग समिति के अंतर्गत सड़क पर खड़े 12 लावारिस वाहनों को हटाया गया

दोपहर संवाददाता । ठाणे

गणेशोत्सव पर्व में नागरिकों को किसी भी तरह की अड़चन उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए मनपा नौपाडा परिमंडल ने सड़कों पर खड़ी वाहनों को हटाने के लिए मुहिम हाथ में लिया है। पहले दिन की कार्रवाई के दौरान वागले इस्टेट प्रभाग समिति में सड़क पर खड़े छोटे-बड़े 12 वाहनों को हटाया गया। भगवान गणेश के आगमन के दौरान यातायात जाम की समस्या उत्पन्न नही हो इसके लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार विशेष मुहिम मनपा ने शुरू किया है। मनपा उपायुक्त शंकर पाटोले व सहायक आयुक्त भालचंद्र घुगे के उपस्थिति में यह कार्रवाई किया गया। शहर में गणेशोत्सव के दरम्यान भगवान गणेश के आवगमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नही हो इसके लिए सड़कों पर खड़े लावारिस वाहन, अवैध हाथ गाड़ी को हटाने का आदेश जारी किया गया है। इस तरह से सड़कों पर खड़े वाहनों की जानकारी मनपा प्रभाग समिति में देने के लिए उपायुक्त शंकर पाटोले ने नागरिकों से आवाहन किया है।

उल्हासनगर मनपा पूर्व आयुक्त डॉ. अजीज शेख का किया गया सम्मान

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा आयुक्त डॉ. अजीज शेख के स्थान पर डॉ. विकास ढाकने को मनपा प्रशासक एवं आयुक्त नियुक्त किया गया। उल्हासनगर मनपा की ओर से सोमवार को मुख्यालय सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से अजीज शेख के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभिनंदन

इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ.अजीज शेख के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उनके कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए परिवहन सेवाओं, महानगर पालिका अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र, सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रमों के कार्यों की सराहना की गयी। वर्तमान आयुक्त विजय ढाकने ने डॉ.अजीज शेख के प्रति सम्मान और प्यार देखकर अधिकारियो की सराहना की. इसके उपरांत डॉ. अजीज शेख ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभिनंदन व्यक्त किया।

उल्हासनगर की समस्यों को लेकर शिवसेना की मनपा आयुक्त से मुलाकात

शहर के विकास को लेकर हुई चर्चा
उल्हासनगर को पुणे से भी अधिक विकसित बनाने का संकल्प

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर के विकास की जिम्मेदारी संभाल रहे नवनियुक्त आयुक्त विकास ढाकणे की नियुक्ति होते ही शहर की प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न संगठनों ने उनसे मिलना शुरू कर दिया है। सोमवार दोपहर ठाणे जिला प्रमुख धनंजय बोडारे के नेतृत्व में शिवसेना पदाधिकारियों ने आयुक्त विकास ढाकने से मुलाकात की। इस मौके पर शहर के विकास को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

गणेशोत्सव से पहले सड़क के गड्ढों का समाधान

आयुक्त का ध्यान उल्हासनगर शहर में सड़कों पर गड्ढे, अपर्याप्त जल आपूर्ति की समस्या और एमएमआरडीए की लंबित परियोजनाओं पर केंद्रित किया।प्रतिनिधिमंडल ने आगामी गणेशोत्सव से पहले शहर के सभी गड्ढों का डामरीकरण शीघ्र पूरा करने की मांग की. मनपा ने तत्काल कार्रवाई का वादा किया और गड्ढे भरने में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया।

जल आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए जल्द ही कदम उठाने का वादा

आयुक्त विकास ढाकने ने जल आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए जल्द ही कदम उठाने का वादा भी किया। उन्होंने जल विभाग के अधिकारियों को शहरवासियों को नियमित एवं स्वच्छ जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही एमएमआरडीए की उन परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई, जिनसे शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार की उम्मीद है। आयुक्त विकास ढाकने ने शहर के विकास की जिम्मेदारी लेते हुए आश्वासन दिया कि वे शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। इस समय शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिए गए सुझावों और मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए आयुक्त ने तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया है। इससे उल्हासनगर के नागरिकों को नये आयुक्त से विकास की उम्मीद जगी है।

ठाणे में गणपति विसर्जन के दौरान बवाल

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में गणपति विसर्जन के दौरान कांच की बोतल फेंकने के बाद हुए बवाल में पांच लोग घायल हुए हैं। रविवार रात तिलक नगर पुलिस स्टेशन इलाके में हुए इस मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोमवार को धारा 118 (1) (स्वेच्छा से खतरनाक हथियारों या साधनों से चोट या गंभीर चोटिल होने के कारण (बीएनएस) के तहत एक एफआईआर दर्ज की, अधिकारी ने कहा कि किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है फिलहाल जांच जारी है।

महा विकास अघाड़ी शिवाजी की मूर्ति ढहने पर विवाद पैदा कर रही : भाजपा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने आरोप लगाया है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर राज्य में विवाद पैदा कर रही है। इसके पहले मूर्ति गिरने के विरोध में एमवीए (महा विकास अघाड़ी) ने रविवार को हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक विरोध मार्च निकाला था।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार एकजुट रहें, दृढ़ रहें, और स्व-शासन प्राप्त करें : दादाभाई नौरोजी

कोल्हापुर में शरद पवार ने बीजेपी को दिया बड़ा झटका

राजर्षि शाहू महाराज के वंशज ने थामी एनसीपी की 'तुतारी'

दोपहर संवाददाता | मुंबई/कोल्हापुर

विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार महायुति को लगातार झटके दे रहे हैं। इसी रणनीति के तहत पवार मंगलवार को कोल्हापुर पहुंचे। उनके इस दौरे में सबसे बड़ा घटनाक्रम यह रहा कि राजर्षि शाहू महाराज के पैतृक परिवार के वंशज और भाजपा नेता राजे समरजीत घाटगे शरद पवार की उपस्थिति में राकांपा में शामिल हो गए। इस मौके पर समरजीत ने यह खुलासा किया कि इस पक्ष प्रवेश से पहले उन्होंने उपमुख्यमंत्री एवं बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस से मिलकर उन्हें अपना पक्ष बताया। घाटगे ने कहा कि वह विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और पार्टी उनकी ये इच्छा पूरी नहीं कर सकती है। समरजीत घाटगे कोल्हापुर में बीजेपी के बड़े नेता हैं। उन्हें फडणवीस का करीबी माना जाता है। घाटगे के शरद पवार गुट में शामिल होने के फैसले को फडणवीस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। शाम 6 बजे कागल के गैबी चौक पर आयोजित किए गए इस पक्ष प्रवेश समारोह में समरजीत घाटगे ने दावा किया है कि गैबी चौक पर हुई यह सभा कागल के इतिहास की सबसे बड़ी सभा है। इसी के साथ समरजीत ने यह भी कहा कि उन्होंने फडणवीस से व्यक्तिगत तौर पर मिलकर बातचीत की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन के बाद, कागल विधायक हसन मुश्रीफ ने अजित पवार के साथ रहने का फैसला किया। यह तय माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कागल निर्वाचन क्षेत्र एनसीपी के अजित पवार गुट के हाथ से निकल जाएगा। ऐसे में समरजीत ने कहा कि मैंने पार्टी नहीं छोड़ी है। पार्टी मेरे साथ न्याय नहीं कर सकती है। मुझे उम्मीदवारी नहीं मिलेगी। मैं कागल विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूं। समरजीत ने कहा कि विधान परिषद की पेशकश से पहले ही मैंने उनसे साफ कह दिया था कि मैं विधान परिषद में नहीं जाना चाहता।

बदलापुर केस

'ठोस मामला बनाएं, जनता के दबाव में काम न करें'

बॉम्बे हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के बदलापुर में स्कूल की दो बच्चियों के साथ अटेंडेंट के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में आज बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान जांच कर रही पुलिस टीम से मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि वे एक ठोस मामला बनाएं और जनता के दबाव में आकर जल्दबाजी में आरोप पत्र दाखिल न करें।

अब एक अक्तूबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

इस बीच, महाधिवक्ता सर्राफ ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि सरकार ने स्कूलों में लड़कियों की सुरक्षा के पहलू पर विचार करने के लिए एक समिति बनाई है। न्यायालय ने कहा कि उसे लड़कों की सुरक्षा की भी जांच करनी चाहिए। न्यायालय ने कहा, समिति स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा पर विचार करेगी। उच्च न्यायालय ने सुनवाई 1 अक्तूबर तक स्थगित करने से पहले सुझाव दिया कि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी मीरान बोरवणकर और एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश – साधना जाधव या शालिनी फनसालकर-जोशी – को समिति में शामिल किया जाना चाहिए।

जल्दबाजी में आरोपपत्र दाखिल न करें- हाईकोर्ट

बता दें कि हाईकोर्ट की पीठ ने पिछले महीने इस घटना का स्वतः संज्ञान लिया था। वहीं सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता बीरेंद्र सर्राफ ने सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि जल्द ही आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। पीठ ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन इसलिए किया गया क्योंकि स्थानीय पुलिस ने मामले की ठीक से जांच नहीं की और आम आदमी का गुस्सा फूट पड़ा। अदालत ने कहा, यह एक बड़ा मुद्दा है। ये केस भविष्य में ऐसे सभी मामलों के लिए मिसाल कायम करेगा। जनता देख रही है और हम जो संदेश दे रहे हैं वह महत्वपूर्ण है। इसलिए, जल्दबाजी में आरोपपत्र दाखिल न करें। अभी भी समय है। जनता के दबाव में न आएं। आरोपपत्र दाखिल करने से पहले जांच ठीक से होनी चाहिए। आरोपपत्र दाखिल करने से पहले, सुनिश्चित करें कि सब कुछ ठीक है। एक मजबूत मामला बनाएं।

'बेटे को पढ़ाओ बेटी को बचाओ'

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने इस दौरान यह भी कहा कि लड़कों को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति डेरे ने सरकार के नारे में बदलाव करते हुए कहा, लड़कों की शिक्षा महत्वपूर्ण है। 'बेटे को पढ़ाओ बेटी को बचाओ'।

पुराने तरीके से केस डायरी बनाने पर SIT को फटकार

वहीं अदालत ने केस डायरी को बनाए रखने के पुराने तरीके के लिए एसआईटी को फटकार भी लगाई। क्या केस डायरी को बनाए रखने का यही तरीका है?। न्यायाधीशों ने कहा कि जांच के हर चरण का उल्लेख केस डायरी में किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि डायरी में विवरण का उल्लेख नहीं किया गया है। पीठ ने आगे कहा कि, केस डायरी में रूढ़िवादी शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। हम विवरण के संबंध में जांच के तरीके से संतुष्ट नहीं हैं। हमें कोई ठोस कदम नहीं दिख रहा है। पीठ ने कहा कि केस डायरी लिखने का उद्देश्य तब विफल हो जाता है जब इसे इस तरह से लिखा जाता है और यह वास्तव में इस मामले की घटिया जांच को दर्शाता है।

महाराष्ट्र विधान परिषद ने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति दी : राष्ट्रपति

दोपहर संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र विधान परिषद ने राज्य के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति दी है। राष्ट्रपति मंगलवार को मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही महाराष्ट्र विधान परिषद ने महाराष्ट्र के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति दी है। इसने एक उत्तरदायी उच्च सदन की भूमिका निभाई है। उन्होंने परिषद के सभी वर्तमान और पूर्व सदस्यों के योगदान की सराहना की। उन्होंने दोनों सदनों के उन सदस्यों को बधाई दी, जिन्हें उनके असाधारण योगदान के लिए पुरस्कार दिए गए।

महाराष्ट्र की जनता के उज्ज्वल भविष्य की कामना

राष्ट्रपति ने कहा कि महाराष्ट्र विधान परिषद ने स्वस्थ बहस और संवाद की परंपरा स्थापित करके लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया है। साथ ही, परिषद के सदस्यों ने जन कल्याण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस परिषद के पूर्व अध्यक्ष वी.एस. पेज ने रोजगार गारंटी योजना की परिकल्पना की थी। उस योजना के समान एक प्रणाली को बाद में 'मनरेगा' के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि संसद में राज्यसभा और विधानसभाओं में विधान परिषदों को, जहां दो सदन हैं, 'हाउस ऑफ़ एल्डर्स' कहा जाता है। इन सदनों में न्यूनतम आयु सीमा अधिक होने के साथ-साथ एल्डर्स सदनों में अधिक अनुभवी सदस्यों का प्रतिनिधित्व अक्सर देखा जाता है। ऐसे एल्डर्स ने कई अच्छे उदाहरण पेश किए हैं और संसदीय प्रणाली और विधायिका की कार्य संस्कृति को समृद्ध किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाराष्ट्र विधान परिषद इस परंपरा को और मजबूत करेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि महाराष्ट्र पूरे देश के सामने सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रगति के उदाहरण पेश करता रहा है।

अमिताभ सिंह ने महाराष्ट्र सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का पदभार संभाला

दोपहर संवाददाता | मुंबई

2024-1995 बैच के प्रतिष्ठित भारतीय डाक सेवा अधिकारी अमिताभ सिंह ने आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के रूप में पदभार ग्रहण किया। सिंह अपनी नई भूमिका में महत्वपूर्ण अनुभव साथ लेकर आए हैं। उन्होंने देश भर में विभिन्न पदों पर काम किया है, जिसमें प्रशासन, व्यवसाय विकास और प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ शामिल हैं । उल्लेखनीय है कि उन्होंने संचार मंत्रालय के मुख्यालय में अपने चार वर्षों के दौरान वीसैट मनी ऑर्डर सिस्टम और डाक जीवन बीमा कम्प्यूटरीकरण जैसी प्रौद्योगिकी परियोजनाओं का नेतृत्व किया।

कई महत्वपूर्ण पदों पर दी सेवाएं

उनके पिछले महत्वपूर्ण पदों में निदेशक डाक सेवाएं, नागपुर, संयुक्त निदेशक, आरएकेएनपीए (राष्ट्रीय डाक अकादमी) और एशियन पैसिफिक पोस्टल कॉलेज, थाईलैंड में व्याख्याता का पद शामिल है, जहां उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त सिंह ने नई दिल्ली में डाक निदेशालय में उप महानिदेशक (प्रशिक्षण और कल्याण) के रूप में भी कार्य किया है। इस वर्ष जम्मू-कश्मीर सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के रूप में उनकी पदोन्नति से पहले सिंह ने 2022 से महाराष्ट्र सर्किल में पोस्टमास्टर जनरल (डाक और व्यवसाय विकास) के रूप में अपना विशेष योगदान दिया । व्यापक मेल प्रबंधन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मेल्स, ई-कॉमर्स और सेवा गुणवत्ता पर प्रशिक्षण में उनकी विशेषज्ञता है। स्पेनिश, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में निपुण सिंह महाराष्ट्र सर्किल के विजन को आगे बढ़ाने और सभी को सेवा प्रदान करने की इस सर्किल की विरासत को बनाए रखने में पूर्णतः सक्षम हैं।

गोमांस के संदेह में ट्रेन यात्री पर हमला प्रकरण

तीनों आरोपी को फिर से गिरफ्तार करेगी रेलवे पुलिस

कोर्ट ने की जमानत रद्द

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के नासिक में एक एक्सप्रेस ट्रेन में 'बीफ' ले जाने के संदेह में एक बुजुर्ग व्यक्ति पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार तीन व्यक्तियों की जमानत दी गई थी। जिसके बाद में अदालत ने रद्द कर दिया है। अब राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने उन्हें फिर गिरफ्तार करने के लिए अभियान शुरू किया है।

सभी व्यक्तियों को पकड़ने की कोशिश

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद उसी अदालत ने पुलिस की याचिका स्वीकार कर ली और तीनों आरोपियों को सोमवार को दी गई जमानत रद्द कर दी, जिससे उनकी फिर से गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के धुले स्थित अपने घरों में लौटने की संभावना को देखते हुए उनके घरों के बाहर सादे कपड़ों में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था, लेकिन तीनों वहां नहीं मिले। अधिकारी ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप जीआरपी ने तीनों आरोपियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया है। अधिकारी ने बताया कि जीआरपी मामले में शामिल सभी व्यक्तियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

क्या है मामला ?

मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के 72 वर्षीय पीड़ित अशरफ अली सैयद हुसैन पर 28 अगस्त को धुले-मुंबई सीएसएमटी एक्सप्रेस में 'बीफ' ले जाने के संदेह में एक समूह ने हमला किया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था और पुलिस ने 31 अगस्त को धुले से तीन लोगों – आकाश अव्हाड (30), नितेश अहिरे (30) और जयेश मोहिते (21) को गिरफ्तार किया था। उन्हें अगले दिन अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। हालांकि बाद में पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ डकैती और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप जोड़े जाने के बाद अदालत ने सोमवार को उनकी जमानत रद्द कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि जमानत मिलने के बाद जीआरपी उन्हें अपनी हिरासत में नहीं रख सकी, इसलिए आरोपियों को घर जाने की इजाजत दे दी गई। उन्होंने बताया कि घटना के समय तीनों पुलिस भर्ती अभियान में भाग लेने के लिए मुंबई जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने मामले में डकैती और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप जोड़े और जमानत रद्द करने के लिए आवेदन भी किया।

एसीबी ने छापा मारा तो बीएमसी अफसर ने फ्लश कर दिए घूस में मिले 60 हजार रुपए

दोपहर संवाददाता | मुंबई

घूस लेना अपराध है, लेकिन सरकारी दफ्तरों के अफसर यह गलती बार-बार दोहराने से बाज नहीं आते। फिलहाल, महाराष्ट्र के मुंबई का एक मामला सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यहां बीएमसी के एक अधिकारी ने घूस में 60 हजार रुपये लिए थे। जब उसे एसीबी की टीम के छापे का पता लगा तो उसने पूरी रकम टॉयलेट में जाकर फ्लश कर दी। हालांकि, टीम उससे बेहद तेज निकली और गटर खोलकर काफी रकम बरामद कर ली। आइए आपको पूरे मामले से रूबरू कराते हैं। बता दें कि मुंबई के दहिसर इलाके में एसीबी की टीम ने करीब 20 गटर खंगाले। पहले तो लोगों को यह मामला समझ ही नहीं आया। बाद में पता चला कि यह पूरी कार्रवाई घूस की रकम ढूंढने के लिए की जा रही है। दरअसल, बीएमसी यानी बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक अफसर ने घूस ली थी। जब एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ने की कोशिश की तो उसने पूरी रकम टॉयलेट में जाकर फ्लश कर दी। जानकारी के मुताबिक, एसीबी की टीम को एक कंपनी के कर्मचारी ने शिकायत दी थी।

मध्य रेल दिवाली और छठ त्योहारों के लिए 96 विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा

दोपहर संवाददाता | मुंबई

आगामी त्यौहारी सीजन हेतु यात्रा करने वाले यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए, रेलवे ने दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए 96 त्यौहार विशेष ट्रेन सेवा चलाने का निर्णय लिया है। विवरण इस प्रकार है। एलटीटी-दानापुर दैनिक विशेष (42 सेवाएं) इसके तहत 01143 दैनिक विशेष 22 अक्टूबर 2024 से 11नवंबर 2024 तक प्रतिदिन 10.30 बजे एलटीटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। (21 सेवा) 01144 दैनिक विशेष 23 अक्टूबर 2024 से 12 नवम्बर 2024 तक प्रतिदिन 21.30 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 04.50 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेगी।

सीएसएमटी-आसनसोल साप्ताहिक स्पेशल (8 सेवाएं)

01145 साप्ताहिक विशेष 21अक्टूबर 2024 से 11 नवंबर 2024 तक प्रत्येक सोमवार को 11.05 बजे सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 02.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। (4 सेवा), 01146 साप्ताहिक विशेष 23 अक्टूबर 2024 से 13 नवंबर 2024 तक प्रत्येक बुधवार को 21.00 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 08.15 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी। (4 सेवा)

सीएसएमटी-गोरखपुर दैनिक स्पेशल (42 सेवाएं)

01079 साप्ताहिक विशेष 22 अक्टूबर 2024 से 11 नवंबर 2024 तक प्रतिदिन 22.30 बजे सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 08.20 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। (21 सेवा)

01080 साप्ताहिक विशेष 24 अक्टूबर 2024 से 13 नवंबर 2024 तक प्रतिदिन 14.30 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 00.40 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी। (21 सेवा)

एलटीटी-संतरागाछी साप्ताहिक स्पेशल (4 सेवाएं)

01107 साप्ताहिक विशेष 29 अक्टूबर 2024 और 05 नवंबर 2024 को 20.15 बजे एलटीटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05.00 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। (2 सेवा)

01108 साप्ताहिक विशेष 31 अक्टूबर 2024 और 0 7 नवंबर 2024 को 15.50 बजे संतरागाछी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.45 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेगी। (2 यात्राएं)

त्यौहार विशेष ट्रेन संख्या 01143, 01145, 01079 और 01107 की यात्राओं के लिए बुकिंग विशेष शुल्क पर दिनांक 06.09.2024 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर आरंभ होगी ।

शक्ति विधेयक को मंजूरी मिलने में 'देरी' को लेकर विरोध प्रदर्शन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी Nationalist Congress Party (शरदचंद्र पवार) के कार्यकर्ताओं ने पार्टी सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में मंगलवार को महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर शक्ति विधेयक को मंजूरी मिलने में "अत्यधिक देरी" को लेकर मुंबई में राज्य सचिवालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन उस दिन हुआ जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह को संबोधित करने के लिए मुंबई में थीं। दिसंबर 2021 में राज्य विधानसभा ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक, 2020 को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इसमें बलात्कार के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है और महिलाओं पर तेजाब से हमले और बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में सजा की न्यूनतम मात्रा बढ़ा दी गई है।

मध्य रेलवे के 14 कर्मचारियों को महाप्रबंधक का सुरक्षा पुरस्कार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्म वीर मीना ने 03 सितंबर को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई में आयोजित एक समारोह में मध्य रेलवे के 14 कर्मचारियों यानी मुंबई मंडल से 8, भुसावल मंडल से 2, नागपुर मंडल से 2 और पुणे मंडल से 2 कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार ड्यूटी के दौरान उनकी सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना के लिए दिए गए। पुरस्कार में एक पदक, प्रशस्ति प्रमाण पत्र, अनुकरणीय सुरक्षा कार्य का एक प्रशस्ति पत्र और 2000/- नकद शामिल हैं। मुंबई डिवीजन के पीएन बहिराम, लोको पायलट, सीएसएमटी, एमके सिंह, सहायक लोको पायलट, सीएसएमटी, गोविंदराजुलु, मास्टर क्राफ्ट्समैन/इलेक्ट्रिकल, कल्याण और प्रेम कुमार, लोको पायलट, कुर्ला, अंकुर शर्मा, फिटर/इलेक्ट्रिकल, कुर्ला कार शेड और देवानंद किन्हेकर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कैरिज एंड वैगन), एलटीटी, को मनीष कुमार, इलेक्ट्रिकल सिग्नल मेंटेनर, कल्याण और हरेंद्र उबरे, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल), पनवेल को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भुसावल संभाग के संजीव कुमार, तकनीशियन (कैरिज एवं वैगन), भुसावल और आनंद पाटले, सहायक स्टेशन प्रबंधक, शेगांव को तथा नागपुर डिवीजन के विलास राजेश्वर चौरे, ट्रेन मैनेजर, नागपुर, दीपक रामदास, कीमैन, आमला तथा पुणे डिवीजन के जबर सिंह, तकनीशियन (कैरिज एवं वैगन), मिराज, विनोद कुमार मीना, तकनीशियन (कैरिज एवं वैगन), दौंड को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों के प्रति उनकी सतर्कता और समर्पण के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सतर्कता और बहादुरी के ऐसे कार्य दूसरों को यात्रियों की सुरक्षा के प्रति ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रभात रंजन, अपर महाप्रबंधक, एमएस उप्पल, प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी, रजनीश माथुर, प्रधान मुख्य अभियंता, एसएस गुप्ता, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, सुनील कुमार प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, एनपी सिंह, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर और मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

प्राथमिक शिक्षण विभाग

जा.क्र./भिनिशमनपा/प्राथ. शिक्षण विभाग/1132/2024
दिनांकः 02/09/2024

ई- निविदा सुचना क्रमांक 01 सन 2024 - 2025

खालील काम करण्याकरीता सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	कामाची अंदाजपत्रकीय किंमत (रु.)	इसारा रक्कम (रु.)	कामाची मुदत	निविदा पत्र शुल्क ऑनलाईन भरावयाचे
१	सन 2024-25 या आर्थिक वर्षाकरीता प्राथमिक शिक्षण विभागातील मराठी व हिंदी माध्यमातील इयत्ता 5 वी ते 7 वी च्या विद्याथ्यार्करिता नाविन्यपुर्ण शैक्षणिक उपक्रम राबिवणणे	21,77,00,000/-	22,000/-	4 महिने	2,000/

सदर निविदा बाबतची माहिती मनपा संकेतस्थळावर https://mahatenders.gov.in वर दि. 04/09/2024 पासुन उपलब्ध आहे.

हस्ता.
उप-आयुक्त (शिक्षण)
भिवंडी नि. शहर महानगरपालिका

संपादकीय

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। हाल ही में कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुए वीभत्स कांड के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा के लिये राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करने में भी शीर्ष अदालत ने बड़ी पहल की थी। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा।

शख्सियत | सुशील कुमार शिंदे

एक मृदुभाषी राजनीतिज्ञ

सुशील कुमार शिंदे कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं। वह 26 मई 2014 तक मनमोहन सिंह सरकार में गृह मंत्री थे। वह महाराष्ट्र राज्य से हैं। वह पूर्व में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने लोकसभा में सदन के नेता के रूप में भी कार्य किया। वह एक मृदुभाषी राजनीतिज्ञ हैं और लोकप्रिय रूप से गांधी परिवार के वफादार हैं। उन्होंने अमेठी में कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी के चुनाव प्रबंधक के रूप में भी काम किया।

सुशील कुमार शिंदे का जन्म 4 सितंबर 1941 को महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हुआ था। उनका जन्म एक गरीब परिवार में पिता संभाजीराव शिंदे और माता सखू बाई के घर हुआ था। उनका परिवार दलित जाति से था।

उनकी स्कूली शिक्षा सोलापुर में हुई। वह बी.ए. के लिए सोलापुर के संगमेश्वर और दयानंद कॉलेज गए और एल.एल.बी की डिग्री हासिल किए। बाद में उन्होंने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर और महाराष्ट्र और बॉम्बे के न्यू लॉ कॉलेज विश्वविद्यालय में भी अध्ययन किया।

सुशील कुमार शिंदे की शादी उज्वला शिंदे से हुई है और उनकी तीन बेटियां हैं। उनकी एक बेटी प्रणीति शिंदे महाराष्ट्र के सोलापुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं।

उन्होंने सोलापुर कोर्ट में बेलीफ के रूप में अपना करियर शुरू किया और फिर छह साल के लिए महाराष्ट्र पुलिस में सब-इंस्पेक्टर बने। बाद में उन्होंने राजनीति में शामिल होने का फैसला किया और 1974 में अपने गृह जिले सोलापुर के करमाला विधानसभा से चुनाव लड़ा। वह महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री वीपी नाइक की सरकार में कनिष्ठ मंत्री बने। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और शिंदे महाराष्ट्र में एक लोकप्रिय राजनेता बन गये। उन्होंने 1978, 80, 85 और 90 में चार बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीता। वह राज्य के वित्त मंत्री भी थे और विभिन्न मुख्यमंत्रियों के अधीन नौ बजट पेश किए। शिंदे ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया और 1978 में शरद पवार के नेतृत्व वाली प्रगतिशील लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार में शामिल हो गए। हालांकि, बाद में 1980 में पीडीएफ के बर्खास्त होने के बाद वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए।

जीएम फसलों पर यूरोपीय अनुभवों के सबक

अमरजीत भुल्लर

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने को कहा है। पिछले दो दशकों से संशयवादी जीएम फसलों की देश में आमद को रोकने में सफल रहे हैं, और संभावना है कि वे इसका विरोध जारी रखेंगे। पिछले सप्ताह, 18 राज्यों के फार्म यूनियन नेताओं ने जीएम फसलों और इसके पर्यावरणीय प्रभाव, वस्तु-व्यापार, कृषि विविधता, और मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में जीएम फसलों के विरोध में सभी एकमत थे।

भारत पहले ही जीएम जैव के संबंध में एक उचित और स्वीकार्य नीति बनाने में जूझ रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने सदस्य देशों में जीएम उत्पादों/बीजों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है। ईयू जीएम जैव पर एक अपेक्षाकृत अच्छी नीति बनाने में सक्षम रहा है (हालांकि यह पूरी तरह से सही नहीं है), और यह भारत के लिए एक सबक हो सकता है। कृषि विकास का इतिहास हमें बताता है कि दुनिया ने अब तक तीन 'हरित क्रांतियां' देखी हैं। पहली हरित क्रांति की शुरुआत 1930 के दशक में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में हुई। इसमें उर्वरक, कीटनाशक, फसल प्रजातियां, मशीनरी और कृषि प्रबंधन में सुधार शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप मक्का और अन्य तापमान-जलवायु पर आधारित फसलों की उपज में तेजी से वृद्धि हुई।

दूसरी हरित क्रांति 1960 और 1970 के दशकों में आई, जिसमें कुछ भारतीय राज्य भी शामिल थे। इस क्रांति ने विकासशील देशों और गर्म इलाकों में उगाई जाने वाली फसलों के लिए समान तकनीकें उपलब्ध कराईं, लेकिन इन तकनीकों को स्वदेशी अनुसंधान और विस्तार नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित किया गया। जीएम उत्पाद, विशेषकर कृषि में आनुवंशिक इंजीनियरिंग का उपयोग करके बने बीज, 1970 के दशक में प्रकट हुए और 1990 के दशक से मुख्यतः उत्तरी अमेरिका में इनका व्यवसायीकरण किया गया। इस तकनीक के समर्थकों का दावा है कि इससे कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी और खाद्य आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा।

पहली दो हरित क्रांतियों और तीसरी हरित क्रांति के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि तीसरी क्रांति को उतनी निर्णायकता के साथ अपनाया नहीं गया। मानव, पशु और पौधों पर जीएम प्रौद्योगिकी के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में संदेह बना हुआ है। यूरोपीय संघ के देशों ने जीएम उत्पादों पर सख्त नियामक प्रतिबंध लगाए हैं, जबकि अमेरिका, कनाडा, अर्जेंटीना और ब्राजील ने अधिकांश कृषि-जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग की अनुमति दी है। भारत सहित अधिकांश अन्य देश सही रास्ता खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यूरोपीय संघ ने इस तकनीक का विरोध किया और सख्त जीएम-प्रतिबंधात्मक नीतियां अपनाईं। अधिकांश यूरोपीय सरकारों और यूरोपीय संघ ने जीएम संशोधित जैव से जुड़े जोखिमों की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए एहतियाती दृष्टिकोण अपनाया, जिसे 'पछतावे से रोकथाम' का सिद्धांत कहा जा सकता है। इसके विपरीत, अमेरिका ने दावा किया कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत, विशेषकर सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी उपायों पर समझौते में निहित प्रावधानों के तहत, 'समान' उत्पाद (वह उत्पाद जो सीधे प्रतिस्पर्धात्मक या उनका विकल्प हो) के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए ठोस वैज्ञानिक प्रमाण प्रदान करना आवश्यक है। इसका मतलब है कि संभावित आयातक या प्राप्तकर्ता देश को यह दिखाना होगा कि कोई जीएम बीज/उत्पाद (यदि कोई 'समान' उत्पाद है) मानव, पशु या पौधों की सेहत के लिए असुरक्षित है। दिलचस्प बात यह है कि बीज या उत्पाद के 'सुरक्षित' होने का सबूत देने की जिम्मेदारी निर्यातकों की न होकर आयातकों पर डाल दी गई है। इसका मतलब है कि आयातकों को यह साबित करना होगा कि कोई बीज या उत्पाद 'असुरक्षित' है, जबकि विक्रेताओं को इसे सुरक्षित साबित करने की जिम्मेदारी नहीं है। दूसरे शब्दों में, उत्पाद को सुरक्षित माना जाएगा जब तक कि यह साबित न हो जाए कि वह असुरक्षित है।

इसलिए, मुक्त व्यापार व्यवस्था, जिसे डब्ल्यूटीओ मान्यता और समर्थन देता है, के तहत यूरोपीय संघ 'ठोस विज्ञान' के सबूतों के अभाव में अमेरिका से जीएम बीज या उत्पाद के आयात को प्रतिबंधित नहीं कर सकता। अमेरिकी दृष्टिकोण से असहमत होते हुए, यूरोपीय संघ ने अपने सदस्य देशों द्वारा जीएम बीज/उत्पादों के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए कई तरकीबें अपनाईं, जिसकी शुरुआत 1998-2004 के दौरान जीएम फसल किस्मों के अनुमोदन पर रोक लगाने से हुई। स्थगन से नाराज होकर, अमेरिका, अर्जेंटीना और कनाडा ने 2003 में जीएम उत्पादों के लिए यूरोपीय संघ की विनियामक नीति के खिलाफ डब्ल्यूटीओ में मुकदमा दायर किया। उनका दावा था कि यूरोपीय संघ की जीएम नीति 'अवैध व्यापार प्रतिबंध' उत्पन्न कर रही है। डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान पैनल ने सितंबर 2006 में शिकायतकर्ता देशों के पक्ष में फैसला सुनाया और यूरोपीय संघ को अपनी जीएमओ अनुमोदन प्रक्रिया को डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप सुधारने का आदेश दिया। लेकिन डब्ल्यूटीओ के फैसले से पहले ही, यूरोपीय संघ ने अपनी निर्णय-प्रक्रिया को बदल दिया, जो आज भी बहुत जटिल बनी हुई है। जोखिम का आकलन सदस्य देशों के वैज्ञानिक निकायों के साथ गहन परामर्श के बाद किया जाता है।

इस राय को सार्वजनिक परामर्श के लिए जनता के समक्ष रखा जाता है। यूरोपीय संघ के नियमों के अनुसार, एक सदस्य देश पर्यावरण या कृषि नीतिगत उद्देश्यों, शहरी और राष्ट्रीय नियोजन, भूमि उपयोग, और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव जैसे कई आधारों पर किसी फसल को न उगाने, निषिद्ध करने, या प्रतिबंधित करने का अधिकार रखता है। भारतीय नीति निर्माताओं को यूरोपीय अनुभवों की विवेचना करनी चाहिए। हमने पहले हरित क्रांति तकनीक को स्वीकार किया था, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में जबरदस्त वृद्धि हुई थी, हालांकि इसके साथ कुछ दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव भी जुड़े थे। इस बार, जहां तक संभव हो, हमें मंजूरी देने से पहले तकनीक के दीर्घकालिक प्रभाव, सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों का सर्वांगीण आकलन करना चाहिए।

सहज योग

दुनिया को जीतने के लिए बाहर निकालो

ऐसा व्यक्ति बड़ी-बड़ी बातें करने लगता है। वह सोचता है कि वह बाकी सभी से ऊपर है, वह पूरी दुनिया को बेवकूफ बना सकता है। वह अपने ऊपर एक जिम्मेदारी लेता है।

जब लोगों को आत्मसाक्षात्कार मिलता है, तो अहंकार स्वतः ही समाप्त हो जाता है - मुझे कहना चाहिए, काफी हद तक। क्योंकि आप कहते हैं कि कंपन से गुजर रहे हैं; आप यह नहीं कहते कि आप उन्हें दे रहे हैं। क्योंकि अहंकार का गिरना कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको लगता है कि जो कुछ भी आप पाना चाहते थे वह आपको मिल गया है और बेहतर होगा कि आप इसके बारे में बात न करें। जब कहीं से कोई विरोध होता है तो आप उसे दूर कर देते हैं और उससे दूर बैठ जाते हैं। आप विरोध का सामना नहीं करना चाहते - किसी भी नकारात्मक विरोध का, चाहे वह वाणी से हो या... बुरे तरीकों से भी। हम यह सोचकर उससे दूर भागते हैं, 'हे भगवान! हम इसका सामना कैसे करेंगे?' इसके विपरीत, एक व्यक्ति जो नकारात्मक है, जिसे नफरत है, वह जैसा कि वे इसे कहते हैं, हो जाता है, अर्थात वह व्यक्ति जो बड़ी-बड़ी बातें करता है। ऐसा व्यक्ति बड़ी-बड़ी बातें करने लगता है। वह सोचता है कि वह बाकी सभी से ऊपर है, वह पूरी दुनिया को बेवकूफ बना सकता है। वह अपने ऊपर एक जिम्मेदारी लेता है। वह एक बड़ा आश्रम या कोई बड़ी जगह शुरू करता है जहां वह अपनी सारी अज्ञानता के साथ बैठ जाता है और अपना ज्ञान - तथाकथित - लोगों तक फैलाना शुरू कर देता है। उनके तरीकों से लोग प्रभावित हो जाते हैं और सभी उनके चरणों में जाकर गिर पड़ते हैं।जबकि आत्मसाक्षात्कारी घर पर चुपचाप बैठा सोचता है कि ये मूर्ख क्या कर रहे हैं। लेकिन अब यह आत्मसाक्षात्कारी लोगों के लिए नहीं है कि वे बैठ जाएं और उन लोगों की मूर्खता पर आश्चर्य करें और हंसें जिन्हें अभी तक आत्मसाक्षात्कार नहीं हुआ है। उन पर दया करने के लिए भी नहीं बल्कि बाहर आने के लिए, पूरी दुनिया को जीतने के लिए प्यार की तलवार लेकर बाहर आओ। यह बहुत, बहुत आवश्यक है। यदि सृष्टि को बचाना है तो इसमें चुप नहीं रहना है। प्रेम के बारे में सभी गलत विचार, प्रेम के बारे में सभी झूठ को त्यागना होगा।व्यक्ति को यह जानना चाहिए कि यह गतिशील शक्ति है और यह आपको अपने साथ आराम से बैठने, शांति और आनंद का आनंद लेने की अनुमति नहीं देगा, जब बाकी दुनिया इसका आनंद नहीं ले रही है और उन दुष्ट प्रतिभाओं के हाथों में खेल रही है जो इस दुनिया को नष्ट करने के लिए आए हैं। अब वे दिन गए जब लोगों को कष्ट सहना पड़ता था। मसीह ने हमारे लिये कष्ट उठाया। निस्संदेह, ईसा मसीह को कभी कष्ट नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने कभी कष्ट नहीं उठाया। वह कभी नहीं रोया। वह उन मुर्गों की तरह बहुत शक्तिशाली व्यक्तित्व वाला था। लेकिन आज का दिन आपके भीतर मौजूद अपनी ताकत के बारे में अपनी समझ को उज्ज्वल करने का है। जो लोग स्थूल हैं उन्हें अपनी असुरक्षाओं, अपनी समस्याओं और अपने संगठनों के बारे में चिंता करनी चाहिए - लेकिन उन लोगों के लिए नहीं जो जागरूक हैं।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

दादाभाई नौरोजी : जन्म 4 सितंबर 1825 | जन्म

दादाभाई नौरोजी एक भारतीय राजनीतिक नेता होने के साथ व्यापारी, विद्वान और लेखक थे। उनका जन्म 4 सितंबर 1825 में हुआ था। वे 1892 और 1895 के बीच यूनाइटेड किंगडम हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के सदस्य थे। उनकी पुस्तक 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' ने ब्रिटेन में भारतीय धन निकासी के उनके सिद्धांत की ओर ध्यान आकर्षित किया। उनकी मृत्यु 30 जून 1917 में हुई।

एकजुट रहें, दृढ़ रहें, और स्व-शासन प्राप्त करें

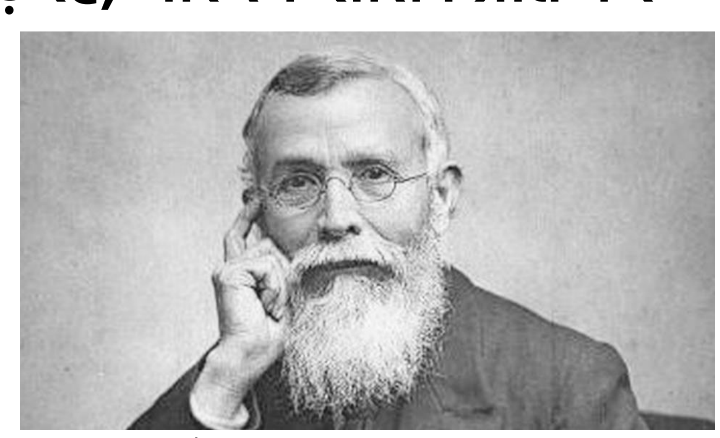

मानव जाति की प्रगति कितनी ही महान रही हो और हम पूर्वाग्रहों पर काबू पाने में कितने भी आगे बढ़ गए हों, मुझे संदेह है कि अगर हम अभी तक उस दृष्टिकोण तक पहुंचे हैं, जहां एक अंग्रेजी निर्वाचन क्षेत्र एक ब्लैकमैन का चुनाव करेगा। मेरी मां ने मुझे वह बनाया जो मैं हूं।

क्या यह व्यर्थ है कि मुझे भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए? नहीं,वह उपाधि जो मेरे देशवासियों के स्नेही, कृतज्ञ और उदार हृदयों के लिए बहुत कुछ कहती है, वह मेरे लिए है, चाहे मैं इसके लायक हूं या न हूं, मेरे जीवन का सर्वोच्च पुरस्कार है। एकजुट रहें, दृढ़ रहें, और स्व-शासन प्राप्त करें, ताकि अब गरीबी, अकाल और प्लेग से मर रहे लाखों लोगों को बचाया जा सके और भारत एक बार फिर दुनिया के सबसे महान और सभ्य राष्ट्रों में अपने गौरवशाली स्थान पर कब्जा कर सके।

चुनावों ने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया कि एक उपयुक्त भारतीय उम्मीदवार के पास किसी अंग्रेज की तरह अच्छा मौका है, या यहां तक कि एक अंग्रेज पर कुछ फायदे भी हैं, क्योंकि अंग्रेजी मतदाताओं में भारत को अपनी सत्ता में कोई भी मदद देने की सामान्य और वास्तविक इच्छा है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

बारह ज्योतिर्लिंगों का महत्व व महिमा

(भाग 1)

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालमोङ्कारममलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये।।
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।
सप्तजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति।।
एतेशां दर्शनादेव पातकं नैव तिष्ठति।
कर्मक्षयो भवेत्तस्य यस्य तुष्टो महेश्वराः।।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत का ही नहीं अपितु इस पृथ्वी का पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है, यह मंदिर गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है, इस मंदिर के बारे में मान्यता है, कि जब चंद्रमा को दक्ष प्रजापति ने श्राप दिया था, तब चंद्रमा ने इसी स्थान पर तप कर इस श्राप से मुक्ति पाई थी।

ऐसा भी कहा जाता है कि इस शिवलिंग की स्थापना स्वयं चन्द्र देव ने की थी, विदेशी आक्रमणों के कारण यह सत्रह बार नष्ट हो चुका है, हर बार यह बिगड़ता और बनता रहा है, आज यानी सोमवार के दिन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का दर्शन व पूजा करने से मनुष्य के सभी पापों और तीनों तापों का नाश हो जाता है, और भोलेनाथ शीवजी में भक्ति बढ़ती है।

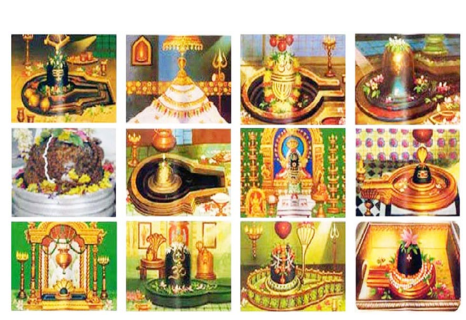

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्रप्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नाम के पर्वत पर स्थित है, इस मंदिर का महत्व भगवान शिव के कैलाश पर्वत के समान कहा गया है, अनेक धार्मिक शास्त्र इसके धार्मिक और पौराणिक महत्व की व्याख्या करते हैं, कहते हैं कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने मात्र से ही व्यक्ति को उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार जहां पर यह ज्योतिर्लिंग है, उस पर्वत पर आकर शिव का पूजन करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होते हैं, सोमवार एवम् श्रावण महिने में शिवजी के इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजन से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है, जीवन में मनुष्य को कम से कम एक बार तो यहाँ आकर दर्शन का लाभ जरूर उठाना चाहिये। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्यप्रदेश की धार्मिक राजधानी कही जाने वाली उज्जैन नगरी में स्थित है, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषता है कि ये सृष्टि के एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है, यहाँ प्रतिदिन सुबह की जाने वाली भस्मारती विश्व भर में प्रसिद्ध है, महाकालेश्वर की पूजा विशेष रूप से आयु वृद्धि और जीवन पर आए हुये संकट को टालने के लिये की जाती है, उज्जैनवासी मानते हैं कि भगवान महाकालेश्वर ही उनके राजा हैं, और वे ही उज्जैन की रक्षा कर रहे हैं।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

समस्याओं का बोझ

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे बच्चों को दिखाते हुए पूछा, 'यह क्या है?' छात्रों ने उत्तर दिया, 'गिलास।' प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, 'इसका वजन कितना होगा?' उत्तर मिला, 'लगभग 100-150 ग्राम।' उन्होंने फिर पूछा, 'अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा?' छात्रों ने जवाब दिया, 'कुछ नहीं।' 'अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूं तो?' प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया। छात्रों ने उत्तर दिया, 'आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।' उन्होंने फिर प्रश्न किया, 'अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा'? तब छात्रों ने कहा, 'आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं। जिससे आपको लकवा हो सकता है।' प्रोफेसर ने कहा, 'बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा?' जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, 'यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है।

महत्वपूर्ण दान

भगवान बुद्ध एक दिन पेड़ के नीचे चबूतरे पर बैठे हुए थे। हर भक्त की भेंट स्वीकार कर रहे थे। तभी एक वृद्ध महीला आई। उसने कांपती हुई आवाज में कहा 'भगवन, मैं बहुत गरीब हूं। मेरे पास आपको भेंट देने के लिए कुछ भी नहीं है। हां, आज एक आम मिला है। मैं इसे आधा खा चुकी थी, तभी पता चला कि तथागत आज दान ग्रहण करेंगे। अतः मैं यह आम आपके चरणों में भेंट करने आई हूं। कृपा कर इसे स्वीकार करें। गौतम बुद्ध ने अपनी पात्र में वह आधा आम प्रेम और श्रद्धा से रख दिया, मानो कोई बड़ा रत्न हो। वृद्धा संतुष्ट भाव से लौट गई। वहां उपस्थित राजा यह देखकर चकित रह गया। उसे समझ नहीं आया कि भगवान बुद्ध वृद्धा का जूठा आम प्राप्त करने के लिए आसन छोड़कर नीचे तक, हाथ पसारकर क्यों आए? पूछा 'भगवन, इस वृद्ध में और इसकी भेंट में क्या ऐसी विशेषता है?बुद्ध मुस्कराकर बोले राजन, इस वृद्धा ने अपनी सम्पूर्ण संचित पूंजी मुझे भेंट कर दी जबकि आप लोगों ने अपनी सम्पूर्ण सम्पति का केवल एक छोटा भाग ही मुझे भेंट किया है। दान के अहंकार में डूबे हुए बग्घी पर चढ़कर आए हो। वृद्धा के मुख पर कितनी करूणा और कितनी नम्रता थी। युगों-युगों के बाद ऐसा दान मिलता है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

धारावीकरों को रखरखाव शुल्क से छूट

मुंबई। धारावी पुनर्विकास परियोजना पुनर्विकसित सहकारी आवास समितियों सहित निवासियों पर भवन रखरखाव लागत का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाएगी। इन हाउसिंग सोसायटियों में 10 प्रतिशत क्षेत्र व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए आरक्षित है। अवधारणा यह है कि इससे होने वाले राजस्व का उपयोग रखरखाव के लिए किया जाए। इसलिए दावा किया जा रहा है कि इन संस्थाओं के सदस्यों को इमारतों का प्रबंधन बनाए रखने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

एशिया की दूसरी सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी पुनर्विकास परियोजना इस समय काफी चर्चा में है। राज्य सरकार और अदानी ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा धारावी पुनर्विकास परियोजना। लिमिटेड (डीआरपीपीएल) और धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) का लक्ष्य इस परियोजना को 7 वर्षों में बनाने का है। उसी के हिस्से के रूप में चल रहा सर्वेक्षण मार्च 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सूचक

- दस प्रतिशत जगह का व्यावसायिक उपयोग किया जाएगा
- रखरखाव लागत को राजस्व से कवर करने की योजना
- भवन प्रबंधन में कोई समस्या नहीं

दीपक पवार इंफ्रा & रियल इस्टेट एडिटर

10 वर्षों के रखरखाव खर्च के लिए कॉपर फंड

पुनर्विकास के बाद, स्थापित हाउसिंग सोसायटियों पर मासिक रखरखाव का भारी बोझ होता है। चूंकि आम निवासी यह लागत वहन नहीं कर सकते, इसलिए इमारतों का रखरखाव और मरम्मत प्रभावित होती है। इसलिए धारावी पुनर्विकास परियोजना में इस पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद स्थापित होने वाली होम सोसायटियों को पहले 10 वर्षों के रखरखाव खर्च के लिए कॉपर फंड दिया जाएगा। अतः अतिरिक्त 10 प्रतिशत भूमि को पट्टे पर देकर उपलब्ध धनराशि का उपयोग संस्थाओं द्वारा किया जा सकता है। इसलिए, निवासियों पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा और संस्थान आत्मनिर्भर होंगे', ऐसा मानना है 'डीआरपी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस। आर। श्रीनिवासन ने यही व्यक्त किया है।

15 प्रतिशत हरित क्षेत्र: माहिम नेचर पार्क के लिए 49 एकड़

धारावी पुनर्विकास परियोजना का क्षेत्रफल लगभग 635 एकड़ है और पूरे क्षेत्र में एक सर्वेक्षण किया जाएगा। धारावी पुनर्विकास परियोजना के कुल 635 एकड़ क्षेत्र में से 18 प्रतिशत सड़कें, 15 प्रतिशत खुले स्थान, हरित स्थान, 7 प्रतिशत स्कूल, क्लीनिक, अस्पताल आदि के लिए और 10 प्रतिशत वाणिज्यिक क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगा। 150 एकड़ भूमि को पुनर्विकास से बाहर रखा गया है। इसमें 49 एकड़ का माहिम नेचर पार्क, 12 एकड़ का टाटा पावर स्टेशन, 15 एकड़ का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि शामिल हैं। क्षेत्र विकास में आवास, जल, सीवेज प्रबंधन, स्कूल, मैदान, अस्पताल आदि शामिल हैं। पुनर्विकास परियोजना में 350 वर्ग फुट का घर उपलब्ध कराने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अपात्र निवासियों को नीति के अनुसार किराये का आवास उपलब्ध कराया जाएगा। श्रीनिवास ने अपील की है कि इस प्रोजेक्ट को शहरवासियों का समर्थन मिल रहा है और इसके स्वरूप का विस्तार किया जाना चाहिए।

पुनर्वास की चुनौती

धारावी के अयोग्य निवासियों के पुनर्वास के लिए मुंबई में विभिन्न स्थानों के लिए राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है। हालाँकि, यह भी स्पष्ट किया गया है कि परियोजना के लिए कोई भूमि अधिग्रहित नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने मुलुंड, कुलान में प्रस्तावित पुनर्वास का विरोध किया है। यह दरार इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि स्थानीय नेताओं ने भी इसका समर्थन कर दिया है।

पात्रता के लिए सर्वेक्षण

धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए डीआरपी के माध्यम से पात्रता और अपात्रता पर डेटा एकत्र करने के लिए मार्च से एक सर्वेक्षण शुरू किया गया है। यह परियोजना सभी पात्र फ्लैट धारकों को धारावी में ही नए घर उपलब्ध कराएगी। अपात्र फ्लैट धारकों को परियोजना की किरायेदारी नीति के अनुसार निविदा, शर्तों के अनुसार आवास व्यवस्था उपलब्ध करायी जायेगी। सर्वे से मिली सारी जानकारी और डेटा के आधार पर आगे की योजना बनाई जाएगी। सर्वे से धारावी की सटीक आबादी का पता चल रहा है, यहां की दुकानों, धार्मिक स्थलों और आबादी जैसी अन्य संरचनाओं की जानकारी मिल जाएगी।

अभ्युदयनगर पुनर्विकास टेंडर प्रक्रिया में देरी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कालाचौकी में अभ्युदयनगर का पुनर्विकास निर्माण और विकास एजेंसी (सीएंडडी) यानी एक निजी बिल्डर के माध्यम से किया जाएगा। तदनुसार, म्हाडा के मुंबई बोर्ड द्वारा यह घोषणा की गई कि बिल्डरों की नियुक्ति के लिए जल्द ही निविदा जारी की जाएगी। लेकिन अब इस टेंडर प्रक्रिया में देरी हो गई है. दूसरी ओर, रहने की जगह 740 वर्ग मीटर है। मकान और अन्य की मांग के कारण टेंडर प्रक्रिया में देरी हुई।

मोतीलाल नगर पुनर्विकास की तर्ज पर अभ्युदयनगर का पुनर्विकास करने का निर्णय

तदनुसार , बोर्ड ने बीएससीएंडडी पैटर्न के अनुसार मो तीलाल नगर पुनर्विकास की तर्ज पर अ भ्यु द य नगर का पुनर्विकास करने का निर्णय लिया है। इस बीच, इस परियोजना की व्यवहार्यता के अनुसार, निवासियों को 499 वर्ग मीटर मिलेगा। बोर्ड ने फूटा को घर देने का फैसला किया. तदनुसार, बोर्ड ने सीएंडडी के लिए टेंडर की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन अभुदयनगर वासियों के लिए कुछ दिन पहले म्हाडा भवन में इस प्रोजेक्ट की प्रस्तुति दी गई. उस समय, निवासियों के पास 499 वर्ग मीटर था। फुटा के घर का कड़ा विरोध किया। 33(5) के तहत पुनर्विकास परियोजना को कार्यान्वित करते समय हमारे पास 740 वर्ग मीटर है। निवासियों ने यह रुख अपनाया कि फूटा का घर बकाया है। वहीं, निवासियों ने यह भी मांग की है कि संचित निधि को बढ़ाकर 25 लाख किया जाए. रहवासियों की मांग के अनुरूप 740 वर्ग कि.मी. किराये का मकान नहीं दिया जा सकता. यदि इस क्षेत्र का मकान दिया गया तो प्रोजेक्ट संभव नहीं होगा। म्हाडा अधिकारियों का मानना है कि डेवलपर्स आगे नहीं आएंगे। हालांकि, इसके बावजूद रेजिडेंट्स अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि हाउस एरिया कितना दिया जा सकता है।

अभ्युदयनगर के निवासियों को 499 वर्ग मीटर मिलेगी जमीन

म्हाडा की योजना के मुताबिक, अभुदयनगर के निवासियों को 499 वर्ग मीटर जमीन मिलेगी। फुटा मकान उपलब्ध कराया जाएगा। लेकिन 499 वर्ग. फुट का मकान निवासियों को स्वीकार्य नहीं है लेकिन 740 वर्ग मीटर का है। फूटे का घर देय है। इसलिए, निवासी आवश्यक क्षेत्र के साथ एक घर पाने की मांग कर रहे हैं। इसके मुताबिक बदलाव करते हुए मुंबई बोर्ड ने टेंडर की तैयारी शुरू कर दी है. इसलिए टेंडर में अभी समय लगेगा। अभुदयनगर कॉलोनी 33 एकड़ में फैली हुई है और इसमें 49 इमारतें हैं। इसमें 3350 निवासी हैं। मुंबई बोर्ड को अभ्युदयनगर के रुके हुए पुनर्विकास को मंजूरी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बाबासाहेब के स्मारक के लिए नई तकनीक

- एमएमआरडीए अधिकारियों ने दी जानकारी

मुंबई। वर्तमान में चैत्यभूमि, दादर में इंदु मिल में निर्माणाधीन है। एमएमआरडीए के अधिकारियों ने अंबेडकर आंदोलन के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि वे बाबासाहेब अंबेडकर के स्मारक के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल करेंगे. यह भी कहा गया कि तूफान और हवाओं से बचाव के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल कर नए बदलाव किए जाएंगे. इस बीच बैठक में मौजूद मजदूर नेता रमेश जाधव और शिवसेना संगठक विलास रूपवते ने बताया कि मालवण में राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के कारण अब बाबा साहब की प्रतिमा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। इंदु मिल में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के अंतर्राष्ट्रीय स्मारक में बैठक की गई जिसमें कई विषयों पर चर्चा की गई। इसमें मांग की गई कि सिर्फ 1500 सीटों वाले बैठने की व्यवस्था वाले हॉल को 5000 सीटों वाला ऑडिटर हॉल बनाया जाए ताकि भविष्य में तूफान के कारण प्रतिमा को कोई नुकसान न हो. इस मौके पर संबंधित अधिकारियों ने दर्शकों को आश्वासन दिया कि इस स्मारक के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. यह बैठक कल नरीमन पॉइंट स्थित शिवसेना नेता और स्थानीय सांसद अनिल देसाई के कार्यालय में आयोजित की गई थी।

'भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर इंटरनेशनल इंडो मिल स्ट्रगल कमेटी' का गठन

बैठक में अंबेडकरी आंदोलन के कार्यकर्ता: इस बीच, एमएमआरडीए आयुक्त संजय मुखर्जी ने अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ 'भारत रत्न डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर इंटरनेशनल इंडो मिल स्ट्रगल कमेटी' का गठन किया। डॉ। इस मौके पर बाबा साहेब अंबेडकर के प्रपौत्र अक्षय अंबेडकर, श्रमिक नेता चैत्यभूमि के प्रबंधक रमेश जाधव, रवि गरुड़, अरुण घाडगे, रिपब्लिकन पार्टी के बाला साहेब पवार और अंबेडकरी आंदोलन के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अगस्त में 11 हजार से ज्यादा मकान बिके

- स्टाम्प ड्यूटी की दर कम करने के फैसले पर ध्यान दें
- अंतिम फैसले की ओर भी निर्माण क्षेत्र का ध्यान

मुंबई। अगस्त में मुंबई में 11 हजार 631 घर बेचे गए और इन घरों की बिक्री से राज्य सरकार को स्टांप शुल्क संग्रह से 1061 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। जुलाई की तुलना में अगस्त में घरों की बिक्री में थोड़ी कमी आई है। हालाँकि, जनवरी से अगस्त के बीच मकान की बिक्री स्थिर रहती है। बिल्डर्स का मानना है कि दिसंबर तक यानी त्योहारी सीजन के दौरान घरों की बिक्री में बड़ी बढ़ोतरी होगी, वहीं दूसरी ओर स्टांप ड्यूटी रेट में भी कटौती की संभावना है और इसे लेकर अंतिम फैसले पर भी लोगों का ध्यान गया है।

कोरोना के बाद घरों की मांग बढ़ी

कोरोना के बाद घरों की मांग बढ़ गई है। हालाँकि, चूंकि घर की कीमतें अभी भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं, इसलिए कई लोग घर खरीदने का विचार टाल रहे हैं। परिणामस्वरूप, 2024 में घर की बिक्री स्थिर रही है। मार्च में सबसे ज्यादा घरों की बिक्री हुई है। जैसे-जैसे वित्तीय वर्ष समाप्त होता है, हर साल मार्च में घर की बिक्री बढ़ जाती है, स्टांप शुल्क संग्रह अधिक होता है। इसके मुताबिक, मार्च 2024 में 14 हजार 149 घर बिके और इससे 1123 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। जनवरी, फरवरी, अप्रैल, मई और जून में मकान बिक्री की संख्या 11 से 12 हजार के बीच रही। हालांकि, जुलाई में घरों की बिक्री 12,000 का आंकड़ा पार कर गई थी। अगस्त में मकानों की बिक्री में थोड़ी कमी आई है और मकानों की बिक्री का आंकड़ा 12 हजार के भीतर रहा है। अगस्त में 11 हजार 631 मकान बिके और इससे राज्य सरकार को 1061 करोड़ का राजस्व मिला। घर की यह बिक्री संतोषजनक मानी जा रही है।

मुंबई और पुणे में घर खरीदना है तो आपके लिए गुड न्यूज

3 साल में बनेंगे 2 लाख फ्लैट, जल्द निकलेगी म्हाडा लॉटरी

मुंबई। मुंबई में अपना एक घर होने का सपना पूरा करने के लिए लोगों को अब लंबा इंतजार नहीं करना होगा। लोगों का घरों का सपना पूरा करने और मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त करने के लिए सरकार ने प्लान तैयार कर लिया है। इसके लिए सरकार ने आगामी तीन साल में मुंबई में करीब 2 लाख घर तैयार करने का लक्ष्य रखा है। मुंबई में रहने वाले हर परिवार को अच्छा घर मिल सके, इसके लिए सरकार ने सभी मुख्य सरकारी एजेंसियों की मदद लेने का फैसला लिया है। अब तक महाराष्ट्र में लोगों को किफायती घर उपलब्ध करवाने का जिम्मा केवल महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के ही पास था, लेकिन म्हाडा के पास मुंबई में कोई लैंड बैंक नहीं होने के कारण बीते कुछ सालों में म्हाडा कोई बड़ा प्रॉजेक्ट शुरू नहीं कर पाई है।

एजेंसी और प्रॉजेक्ट संख्या	
बीएमसी	78
महाप्रित	56
म्हाडा	21
सिडको	14
एमआईडीसी	12
एमएमआरडीए	252

4 हजार घरों के लिए 1 लाख आवेदन

नतीजतन सरकारी किफायती घर लेने के लिए नागरिकों को म्हाडा की लॉटरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। इसी का उदाहरण 2023 में जारी हुई म्हाडा के करीब 4,000 घरों की लॉटरी के दौरान देखने को मिला था। जहां 4,000 घरों की लॉटरी के लिए म्हाडा को करीब 1 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। वहीं 2024 में 2030 घरों की लॉटरी के लिए अब तक 35 हजार से अधिक आवेदन म्हाडा के पास आ चुके हैं, जबकि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया खत्म होने में अभी दो सप्ताह से अधिक का समय बचा है।

क्या है प्लान ?

मुंबई शहर में झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) के सैकड़ों प्रॉजेक्ट पिछले कई सालों से ठप्प पड़े हैं। कई प्रयासों के बाद भी सरकार एसआरए के अधूरे प्रॉजेक्ट को दोबारा शुरू नहीं करवा पा रही है। प्रॉजेक्ट के शुरू नहीं हो पाने के कारण सरकार को भी काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से सरकार ने निजी बिल्डरों के बजाए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के माध्यम से ही अधूरे एसआरए प्रॉजेक्ट को पूरा करने की योजना तैयार की गई है। एसआरए ने अब तक पुनर्विकास योजना के तहत करीब ढाई लाख घरों का निर्माण किया है। वहीं सरकार ने केवल तीन वर्ष में ही मुख्य सरकारी एजेंसियों के माध्यम से करीब दो लाख नए घर तैयार करने की योजना तैयार की है। इस योजना के तहत स्थानीय पात्र नागरिकों को मुफ्त में घर मुहैया करवाने के साथ ही एजेंसी को बिक्री के लिए भी घर प्राप्त होंगे। म्हाडा की तर्ज पर इन घरों की बिक्री होगी। सरकारी एजेंसियों के पास काम होने पर प्रॉजेक्ट पर सरकार का पूरा कंट्रोल होगा। ऐसे में प्रॉजेक्ट में देरी होने की संभावना बहुत कम होगी। तेजी से प्रॉजेक्ट के पूरा होने से नागरिकों के सरकारी किफायती घरों के लिए म्हाडा की लॉटरी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

किसको कितनी जिम्मेदारी ?

मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त करने के लिए सरकार ने मुख्य रूप से छह एजेंसियां को घर तैयार करने का जिम्मा सौंपा है। इनमें से बीएमसी और एमएमआरडीए को सबसे अधिक प्रॉजेक्ट का जिम्मा दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीएमसी को 78 और एमएमआरडीए को 71 प्रॉजेक्ट दिए गए हैं। महाप्रित को 56 प्रॉजेक्ट, म्हाडा को 21 प्रॉजेक्ट, सिडको को 14 प्रॉजेक्ट और एमआईडीसी को 12 प्रॉजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है।

खबर संक्षेप

झारखंड उत्पाद सिपाही बहाली में 12 अभ्यर्थियों की हुई मौत

रांची : झारखंड में हो रहे उत्पाद सिपाही की दौड़ पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रोक लगा दी है। साथ ही नियमावली की समीक्षा करने का निर्देश जारी कर दिया। बहाली प्रक्रिया में भाग लेने गये अभ्यर्थियों की हो रही मौत की वजह से सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। पुलिस इस मामले की जांच कर रही। वहीं, विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर था। ऐसे में अब सवाल ये उठता है किस वजह से अभ्यर्थियों की आए दिन मौत हो रही है। हालांकि इस मामले में पूरी तरह से पर्दा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उठेगा। लेकिन चिकित्सकों की मानें तो स्ट्रोक और रक्त का प्रवाह सही तरीके से नहीं होने के कई अभ्यर्थियों की जान गयी है। उनका कहना है कि डिहाइड्रेशन की वजह से अभ्यर्थी बेहोश हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि बहाली केंद्र पर सभी प्रकार की सुविधाएं मौजूद है। डॉक्टरों की टीम तैनात रहती है। वहीं, पीने का पानी और ओरआरएस का घोल भी उपलब्ध रहता है।

पश्चिम चंपारण में एचआईवी विस्फोट

पश्चिम चंपारण। बिहार के पश्चिम चंपारण में एचआईवी पॉजिटिव मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। जिले में कुल 3583 एचआईवी के पॉजिटिव मरीज मिले है, जिसमें 20 गर्भवती महिला और 30 बच्चे शामिल हैं। इस मामले की जानकारी मिलने से जिले में हड़कंप मच गया है। पश्चिम चंपारण के 200 गांव को चिन्हित किया गया है। सहायता राशि के रूप में सरकार मरीजों 1500 नगद तथा दवा भी मुफ्त में दी जा रही है। वहीं मरीजों के बच्चों को 1000 आर्थिक मदद के लिए दी जा रही है। जागरूकता अभियान के द्वारा लोगों से बार बार आग्रह किया जा रहा है कि कोई एचआईवी के लक्षण दिखाई दे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जांच कराएं।

पटनावासी 2025 से कर सकेंगे मेट्रो में सफर

पटना। बिहार की राजधानी पटना में अब बहुत जल्द मेट्रो का परिचालन शुरू होने जा रहा है। मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है जो लगभग पूरा ही होने वाला है। मेट्रो का काम तेजी से पूरा करने के लिए नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने बीते दिनो निर्देश दिया था। अगर ऐसे ही तेजी से काम चलता रहा तो अगले साल 2025 में पटना में मेट्रो का परिचालन शुरू हो जाएगा।

वार प्रतिवार

सपा के डीएनए में गुंडागर्दी और अराजकता: सीएम योगी

एजेंसी । मैनपुरी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के संसदीय क्षेत्र मैनपुरी पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर एक के बाद एक कई हमले किए। यहां तक कहा कि सपा के डीएनए में अराजकता और गुंडागर्दी पैवस्त है। इनके शासन में हर नौकरी नीलाम होती थी। अयोध्या और कन्नौज के रेप के मामलों को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। सीएम योगी ने अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव पर लूटखसोट के गम्भीर आरोप भी लगाये। मैनपुरी की करहल सीट से ही अखिलेश यादव विधायक थे। उनके इस्तीफे के बाद इस सीट पर जल्द उपचुनाव होने वाला है। उपचुनाव से पहले सीएम योगी यहां करोड़ों की सौगात देने पहुंचे थे। सीएम ने करहल में 361 करोड़ रुपए से अधिक की 379 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

'नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों में डकैती डाली गई'

सीएम योगी ने अपने संबोधन में सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि मैनपुरी कभी वीवीआईपी जनपद माना जाता था लेकिन यह विकास के कार्य में क्यों पिछड़ गया? इसे पहचान का मोहताज बनाने वाले कौन लोग थे? उन्होंने कहा कि आपने उनके (सपा) कारनामों को देखा होगा। इनका कारनामा वही है जो अयोध्या में एक निषाद बेटी के साथ सपा के नेता द्वारा किया गया था। यह इनका चेहरा है। इनके वास्तविक कारनामे देखने हों तो कन्नौज में घटित घटना और नवाब ब्रांड समाजवादी पार्टी का वास्तविक चेहरा है। योगी ने कि यह वही लोग हैं जिन्होंने आपके सामने पहचान का संकट खड़ा किया, सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया। अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए का हिस्सा है। इनका मॉडल विकास का नहीं है। यह लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले लोग हैं। इन्होंने विकास और गरीब कल्याण के लिए जो धनराशि राज्य की लगनी चाहिए थी उसमें लूटखसोट की। नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों में डकैती डाली गई। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव का नाम लिये बगैर कहा कि 2017 से पहले हर नौकरी बिकती थी। उसकी नीलामी होती थी। वसूली में चाचा और भतीजा समान भागीदार होते थे और बाद में जब ज्यादा वसूली होती थी तो चाचा को धकेल दिया जाता था और भतीजा अकेले ही बैग लेकर भाग जाता था। यही दृश्य पूरे प्रदेश का हुआ करता था।

भाजपाइयों को रेप की विशेष छूट मिली हुई है: अखिलेश यादव

एजेंसी । लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की आईआईटी बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप के आरोपियों को लचर पैरवी के कारण मिली जमानत पर भाजपा पर हमला बोला है। अखिलेश ने यहां तक कहा कि बेटियों का मनोबल गिराने की यह शर्मनाक कोशिश है। यह भी पूछा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रधान संसदीय क्षेत्र में दुष्कर्म करने विशेष छूट और स्वतंत्रता मिली हुई है? भाजपा आईटी सेल से जुड़े पदाधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में लचर पैरवी करने का दबाव किसका था? गौरतलब है कि आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ भाजपा आईटी सेल से जुड़े पदाधिकारियों ने नवंबर में बेहद शर्मनाक वारदात को अंजाम दिया था। अपने दोस्त के साथ टहल रही छात्रा को नग्न कर वीडियो बनाया था और उसके साथ गैंगरेप किया था। भारी दबाव पर पुलिस ने दो महीने बाद आरोपी पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया था। कोर्ट में लचर पैरवी के कारण कुछ दिन पहले तीन में से दो आरोपियों को कोर्ट से जमानत मिल गई है।

मीडिया पर भी निशाना साधा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की आईटी सेल के पदाधिकारी के रूप में काम करने वाले बीएचयू गैंगरेप के तीन आरोपियों में से दो को जमानत मिलने की खबर निंदनीय भी है और चिंतनीय भी। सवाल ये है कि दुष्कर्म करने वालों की कोर्ट में लचर पैरवी करने का दबाव किसका था। ये देश की बेटियों का मनोबल गिराने की शर्मनाक बात है कि न केवल ये बलात्कारी बाहर आ गये बल्कि ऐसी भी ख़बरें हैं कि भाजपाई परम्परानुसार इनका फूल-मालाओं से स्वागत भी हुआ है। अखिलेश ने पूछा कि भाजपा इस बारे में देश की बहन-बेटियों से कुछ कहना चाहेगी? अखिलेश ने इसे लेकर मीडिया पर भी निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि आशा है सच्ची पत्रकारिता करनेवाली सभी महिला एंकर इसके बारे में अपना एक शो जरूर करेंगी। इस अति संवेदनशील मामले में तो हम भाजपा-संबद्ध उन तथाकथित 'ईमानदार' पत्रकारों से भी, रस्म अदायगी के स्तर पर ही सही, उनके महिला होने के नाते, इतनी उम्मीद तो कर सकते हैं कि वो बोलेंगे नहीं लेकिन इस जमानत को सही ठहराने के लिए कुतर्क करने वाले भाजपाई प्रवक्ताओं को कम से कम टोकेंगे तो, उन सबसे इससे ज़्यादा की उम्मीद रखना बेमानी है। अखिलेश ने यह भी पूछा कि भाजपा स्पष्ट करे कि क्या देश के 'प्रधान संसदीय' क्षेत्र में भाजपाई कार्यकर्ताओं को दुष्कर्म करने की विशेष छूट और स्वतंत्रता मिली हुई है?

दीपोत्सव पर चार दिनों तक अलौकिक आभा से दमकेगा अयोध्या धाम

25 लाख ये ज्यादा दीयों से सजेगी रामनगरी

एजेंसी । अयोध्या

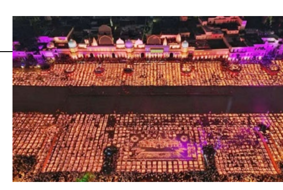

500 वर्षों के पराभव काल को पीछे छोड़कर अयोध्या धाम अब वापस से त्रेतायुगीन वैभव की ओर अग्रसर हो चला है। रामलला के अपने भव्य मंदिर में विराजित हो चुके हैं और होली व श्रीराम जन्मोत्सव के भव्य आयोजनों ने पूरे देश व दुनिया के करोड़ों भक्तों में अपार हर्ष का संचार किया। हर्ष का ऐसा ही क्षण अब जल्द ही भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम के जरिए 28 से 31 अक्तूबर के मध्य भक्तों को मिलने वाला है।

कई मायनों में खास होने जा रहा है इस बार का दीपोत्सव

यूं तो, वर्ष 2017 से ही दीपावली पर अयोध्या के सरयू घाट रिकॉर्ड संख्या में दीपों से जगमग होते रहे हैं और वर्ष 2024 में 8वें दीपोत्सव कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सीएम योगी के विजन में कार्ययोजना निर्धारित की जा चुकी है, मगर इस बार का दीपोत्सव कई मायनों में खास होने जा रहा है। यह इस लिए भी खास होगा क्योंकि रामलला के श्रीविग्रह की स्थापना के बाद इस वर्ष पहली बार आयोजित होगा। ऐसे में, इसे भव्यतम स्तर पर आयोजित करने के लिए योगी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इस वर्ष न केवल राम की पैड़ी, नया घाट समेत अयोध्या के विभिन्न घाटों को 25 लाख से ज्यादा दीपों से सजाया जाएगा बल्कि 4 दिन तक चलने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम में रोशनी सज्जा इस कदर आकर्षक होगी जो अयोध्या धाम को साकेत धाम की वास्तविक अलौकिक आभा प्रदान करेगा।

गीत-संगीत और नृत्य से मचेगा धमाल

18 से 22 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा आजमगढ़ महोत्सव

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ महोत्सव इस बार 18 से 22 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। शहर के राजकीय पालीटेक्निक कालेज में होने वाले वाले कार्यक्रम को लेकर सोमवार कलक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीएम और एसपी ने कार्यक्रम का लोगो जारी किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आजमगढ़ जनपद की स्थापना दिवस के अवसर पर 18 से 22 सितंबर तक आजमगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। 18 सितंबर को बैंड नाइट (राजस्थानी डांस एवं साधो बैंड), 19 सितंबर को गजल और कामेडी नाइट (प्रतिभा सिंह बघेल एवं सुदेश लहरी, 20 सितंबर को ओल्ड इज गोल्ड नाइट (अल्ताफ रजा एवं ब्रदर्स डांस ग्रुप), 21 सितंबर को बालीवुड नाइट (पवनदीप, अरुणीता एवं तनु श्रीवास्तव), 22 सितंबर को भोजपुरी नाइट (अक्षरा सिंह एवं आईजीटी डांस ग्रुप) एवं अन्य स्थानीय कलाकारों के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। 22 सितंबर को महोत्सव के समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कार वितरण एवं आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जाएगा।

साहित्यिक और सांस्कृतिक क्षेत्र की नामी हस्तियां लेंगी भाग

इसमें आजमगढ़ के साथ ही देश और प्रदेश के साहित्यिक और सांस्कृतिक क्षेत्र की नामी हस्तियां भाग लेंगी। महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक गायन, वादन, नृत्य के साथ ही मिनी मैराथन, स्केट्स, नौका दौड़ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव में सहभागिता के लिए आजमगढ़ एनआईसी की वेबसाइट पर आनलाइन व्यवस्था की गई है।

राजेश वर्मा ने संभाला राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। यह नियुक्ति राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों, जातियों के सम्मेलन और रक्षा उपायों से संबंधित शिकायतों के समाधान और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर राजेश वर्मा के साथ उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल और सदस्यों के रूप में मेला राम पवार, वासुदेव मौर्य, विनोद यादव, शिवमंगल बियार, लक्ष्मण सिंह, डॉ. मुराहू राजभर, प्रमोद सैनी, करूणा शंकर पटेल, रामशंकर साहू, विनोद सिंह और कु. ऋचा राजपूत ने भी अपने-अपने पदों का कार्यभार संभाला।

सीएम हेमंत सोरेन ने दिल्ली में झारखंड भवन का किया उद्घाटन

एजेंसी । लखनऊ

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को दिल्ली में झारखंड भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में ये जगह काफी खास है। कर्नाट प्लेस के बंगला साहिब रोड में इस भवन का निर्माण कराया गया है। ये बिल्डिंग बेहद खास है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां कई सरकारी कार्यालय हैं। इसे देखते हुए इसका निर्माण कराया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत मांदर-नगाड़े की थाप और पारंपरिक गीतों से की गयी। दिल्ली के जनजातीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य-गीत पेश किए। झारखंड भवन के उद्घाटन के मौके पर राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति की झलक पेश की गयी। मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, हफीजुल अंसारी, इरफान अंसारी, दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, सांसद जोबा मांझी, महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, मुख्य सचिव एल ख्यांगते, स्थानिक आयुक्त अरवा राजकमल समेत कई सीनियर अफसर मौजूद थे।

ईएलआई योजना रोजगार के अवसर पैदा करने में होगा कारगर साबित : मंडाविया

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम मंत्री ने एंप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव के मुद्दे पर नियोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

रोजगार प्रोत्साहन से जुड़ी योजना को लेकर मंगलवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने नियोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर पैदा करना सरकार की प्राथमिकता में है। इस दिशा में एंप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव (ईएलआई) योजना अहम साबित होगी। यह योजना कारोबार को बढ़ाने के साथ ही देशभर में युवाओं के रोजगार के बेहतर अवसर मुहैया कराने के हिसाब से तैयार की गई है। उन्होंने नियुक्तियों से भी योजना को लागू करने संबंधी सुझाव मांगे और कहा कि योजना को सफल बनाने के लिए सभी पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है,जिसमें सरकार, कारोबारी और नियुक्ति रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में काम कर पाएं। श्रम विभाग की सचिव सुमिता डावरा ने योजना से जुड़े सभी पहलुओं से नियुक्ताओं को अवगत कराया और बारीकी से जानकारी दी गई। नियोक्ता संगठन के प्रतिनिधियों ने श्रमिक कल्याण और रोजगार सृजन से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने उन सभी मुद्दों को उठाया, जो पंजीकरण लेने से लेकर रोजगार सृजन में बाधक हैं। इस मौके पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी संगठनों के साथ मिलकर रोजगार सृजन पर काम करने के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है।

श्री तिरुपति बालाजी एग्रो-ट्रेडिंग का IPO 5 सितंबर होगा ओपन

एजेंसी । मुंबई

श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO 5 सितंबर को ओपन होगा। निवेशक 9 सितंबर तक इस IPO के लिए बोली लगा सकेंगे। 12 सितंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी इस इश्यू के जरिए टोटल 169.65 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 122.43 करोड़ के 14,750,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। वहीं कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 47.23 करोड़ के 5,690,000 शेयर बेच रहे हैं। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी ने इश्यू का प्राइस बैंड 78 से 83 तय किया है। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट यानी 180 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइस बैंड 83 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,940 इन्वेस्ट करने होंगे।

शेयर बाजार में दिखी सुस्ती

एजेंसी । नई दिल्ली

लगातार 13 दिन की तेजी के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज कंसोलिडेशन नजर आया। हालांकि, निफ्टी आज भी लगातार 14वें दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। इसके साथ ही निफ्टी ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 0.005 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

इन शेयरों में होती रही खरीदारी

दिन भर के कारोबार के दौरान कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मास्यूटिकल, फाइनेंशियल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर मेटल, एनर्जी, यूटिलिटी, पावर, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स और निफ्टी पर दबाव होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

- निवेशकों ने दिन भर में कमाए 67 हजार करोड़ रुपए
- निफ्टी ने लगातार 14वें दिन बढ़त के साथ बंद होने का बनाया रिकॉर्ड

निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 465.52 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 67 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

बीएसई में 4,054 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग

कारोबार में बीएसई में 4,054 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,006 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,930 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 118 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,432 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,224 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,208 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

टॉप 5 गेनर्स और टॉप 5 लूजर्स

दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.11 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.80 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.44 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 1.44 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ओएनजीसी 1.23 प्रतिशत, इंफोसिस 1.18 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.16 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.01 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

प्रीमियर एनर्जीज का शेयर 86% चढ़ा

एजेंसी । मुंबई

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड का शेयर 3 सितंबर को 120% प्रीमियम के साथ बाजार में लिस्ट हुआ। प्रीमियर एनर्जीज का शेयर NSE पर 991 प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। जबकि, BSE पर इसकी लिस्टिंग 990 प्रति शेयर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद इसके शेयर में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। ये NSE और BSE पर 389 रुपए (86%) बढ़कर 839 रुपए पर बंद हुआ। इसका इश्यू प्राइस 450 प्रति शेयर रखा गया था। प्रीमियर एनर्जीज का इश्यू 2,830.40 करोड़ रुपए का था। इसमें कंपनी 1,291.40 करोड़ के 28,697,777 फ्रेश शेयर इश्यू किए थे। वहीं कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 1,539 करोड़ रुपए के 34,200,000 शेयर बेचे। कंपनी ने इश्यू का 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए रिजर्व रखा था। इसके अलावा 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व था।

विश्व बैंक ने 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी । नई दिल्ली

- 2024-25 के लिए विकास दर के अनुमान को 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया

विश्व बैंक ने देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ा दिया है। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। इससे पहले जून में विश्व बैंक ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

विश्व बैंक ने जारी की 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट

विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी अपनी 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक विकास में सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है, उसकी आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में सात फीसदी रहने की उम्मीद है।

कमिंस टेस्ट सीरीज

भारत से बराबरी का होगा मुकाबला

- 22 नवंबर से शुरू होगी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज
- 04 सीरीज भारत ने कंगारू टीम से आठ साल में जीती

एजेंसी | मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को विश्वास है कि पांच मैचों की सीरीज में उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन करके भारत के खिलाफ कुछ समय से लगातार मिली हार की भरपाई करने में सफल रहेगी। उन्होंने साथ ही कहा कि 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मुकाबला बराबरी का होगा।

भारत का पलड़ा भारी

भारत ने 2016-17 से लेकर 2022-23 तक ऑस्ट्रेलिया से लगातार चार सीरीज जीती हैं। इनमें से दो अवसरों पर उसने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। कमिंस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पिछले साल लंदन में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत पर अपनी जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज में हम सफल नहीं रहे। हमें (भारत के खिलाफ) सीरीज जीते हुए काफी समय हो गया है। अब इसमें सुधार करने का समय आ गया है।

जीत से लेंगे प्रेरणा

उन्होंने कहा, हम भारत के खिलाफ लगातार खेलते रहे हैं और उन्होंने हमें हराया भी है लेकिन हमने भी उनके खिलाफ कई जीत दर्ज की हैं जिनसे हम प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे। इनमें हाल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है जिसमें हम सफल रहे थे। सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कप्तान से सहमति जताई और कहा कि भारत की टीम काफी संतुलित है और ऑस्ट्रेलिया की उनके खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी। उन्होंने कहा, यह शानदार सीरीज होगी। भारत बेहतरीन क्रिकेट खेल रहा है। हम पिछले दो बार में भारत को नहीं हरा पाए। उनकी टीम के सभी विभागों में अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमारे खिलाफ अपने देश में भी अच्छा प्रदर्शन किया। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच किसी भी प्रारूप में मुकाबला रोमांचक होता है। उन्होंने कहा, कुछ वर्षों में दोनों टीमों ने रैंकिंग में स्थानों की काफी अदला-बदली की है। चाहे कोई भी प्रारूप हो, आप इन दोनों टीमों को विश्व रैंकिंग में किसी न किसी स्तर पर हमेशा नंबर एक पर देखेंगे।

रोनाल्डो ने जल्द संन्यास लेने की अटकलों को किया खारिज

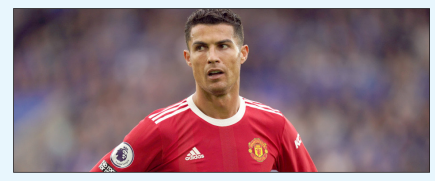

एजेंसी | लिस्बन

पुर्तगाल के फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने निकट भविष्य में संन्यास लेने की अटकलो को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह यूरोप कप के बाद हो रही अपनी आलोचनाओं को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने ऐसी अटकलो को भी खारिज किया जिनमें कहा गया है कि वह निकट भविष्य में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं।

कर्स्टन पाक के घरेलू वनडे मैचों पर रखेंगे नजर

एजेंसी | कराची

कर्स्टन पाक के घरेलू वनडे मैचों पर नजर रखेंगे कराची। पाकिस्तान के सफेद गेंद (सीमित ओवर प्रारूप) के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन चैंपियंस कप घरेलू एक दिवसीय प्रतियोगिता पर नजर रखेंगे। इसमें सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को खेलने के लिए कहा गया है। इस सत्र में पाकिस्तान के सफेद गेंद वाले मैचों से पहले खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस की जांच करने के लिए कर्स्टन को फिजियोथेरेपिस्ट क्लिफ डेकोन और स्ट्रेंथ कोच ड्रेक्स साइमन की मदद मिलेगी। ये तीनों टेस्ट टीम और अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए फिटनेस परीक्षण भी करेंगे। टेस्ट प्रारूप के मुख्य कोच, जेसन गिलेस्पी और हाई परफॉर्मेंस कोच, टिम नीलसन बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के समापन के बाद बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे।

पाक हॉकी कोच ओल्टमेंस ने पद छोड़ा

एजेंसी | नई दिल्ली

पाक हॉकी कोच ओल्टमेंस ने पद छोड़ा कराची, एजेंसी। पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य कोच रोलेंट ओल्टमेंस ने दीर्घकालिक अनुबंध की कमी का हवाला देते हुए आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए चीन में टीम से जुड़ने से मना कर दिया। छह टीमों का एसीटी टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर के तक आयोजित होगी।

सीनियर टीम के साथ काम कर रहे हैं ओल्टमेंस

ओल्टमेंस इस साल की शुरुआत से सीनियर टीम के साथ काम कर रहे हैं। उन्हें सीधे हुलुनबुइर में टीम में शामिल होना था, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने इससे इनकार कर दिया। पीएचएफ (पाकिस्तान हॉकी महासंघ) के एक सूत्र ने कहा, ओल्टमैंस ने सूचित कर दिया है कि वह कोचिंग के लिए उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह दीर्घकालिक और उचित अनुबंध चाहते हैं। पीएचएफ ने कोष की समस्या के कारण उन्हें 'असाइनमेंट के आधार पर काम पर रख रहा था। उन्हें चीन में टूर्नामेंट के दौरान टीम को प्रशिक्षित करना था और फिर लौटना था। ओल्टमेंस ने 2013 और 2017 के बीच भारतीय हॉकी टीम के हाई परफॉर्मेंस निदेशक और मुख्य कोच के रूप में भी काम किया था।

मुंबई के मैदानों से

शर्वेया सामंत पुरुष एकल विजेता

दोपहर संवाददाता | मुंबई

नवोदित खिलाड़ी शर्वेया सामंत ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में शिवम श्रीवास्तव को 3-11, 11-4, 11-4, 11-5, 9-11, 11-7 से पटकनी दी और खार जिमखाना पर संपन्न हुई खार जिमखाना-टीएसटीटीए तृतीय रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल वर्ग के खिताब पर कब्जा कर लिया। महिलाओं का फाइनल संपदा भिवंडकर और अनन्या चंदे के बीच खेला गया, जिसमें संपदा 11-7, 11-6, 11-5, 11-8 से विजयी रहीं। अन्य फाइनल मुकाबलों में गर्ल्स अंडर-11 वेदिका जायसवाल ने हीर भट्ट को 11-4, 11-5, 12-10 से, बॉयज अंडर-11 विव्यान गाडा मीत परमार को 7-11, 5-11, 11-9, 11-7, 11-9 से, गर्ल्स अंडर-13 मायरा सांगलकर ने त्रिशा लुद्दे को 11-7, 8-11, 11-7, 11-8 से, बॉयज अंडर-13 राघव महाजन ने आरव वोरा को 10-12, 8-11, 12-10, 13-11, 12-10 से, गर्ल्स अंडर-15 निवा चौगुले ने मायरा सांगलकर को 8-11, 12-10, 11-4, 11-5 से, बॉयज अंडर-15 जिहान बेडिंगवाला ने ऋशान कणानी को 8-11, 11-9, 11-5, 6-11, 12-10 से, गर्ल्स अंडर-17 उर्वी चुरी ने वैष्णवी जायसवाल को 7-11, 11-6, 5-11, 11-7, 11-5 से, बॉयज अंडर-17 से ध्रुव शाह ने जाईन शेख को 11-5, 11-8, 11-9 से, लड़कियों अंडर-19 अनन्या चंदे ने ऋशा मीरचंदानी को 11-9, 11-4, 11-9, 12-10 से और बॉयज अंडर -19 ध्रुव शाह ने देव हिंगोरानी को 15-13, 11-4, 12-10, 11-9 से पराजित करके खिताब को हथियाया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चीन रवाना

एजेंसी | बेंगलुरु

भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार तड़के एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भाग लेने के लिए चीन के हुलुनबुइर के लिए रवाना हो गई। पेरिस ओलंपिक 2024 की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम प्रतियोगिता में खिताब बरकरार रखने की प्रयास करेगी। टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन भी शामिल है। भारत अपना अभियान 8 सितंबर को मेजबान चीन के खिलाफ शुरू करेगा उसके बाद 9 सितंबर को जापान से खेलेगा। भारत 11 सितंबर को मलेशिया और 12 सितंबर को कोरिया से भिड़ेगा। अपने आखिरी पूल चरण के मैच में भारत 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगा। पूल की शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और 17 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा।

विश्व बधिर निशानेबाजी: भारत को एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में शीर्ष दो स्थान

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजों ने जर्मनी के हनोवर में दूसरी विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में शीर्ष दो स्थान पर कब्जा जमाया। माहित संधू और धनुष श्रीकांत की जोड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि नताशा जोशी और मोहम्मद मुर्तजा वानिया की जोड़ी ने रजत पदक जीता।

अब तक 12 पदक

प्रांजलि धूमल और अभिनव देशवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत जीता जिससे भारत ने प्रतियोगिता के तीसरे दिन अपने पदकों की संख्या 12 (तीन स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य) तक पहुंचा दी। भारत ने टूर्नामेंट के पहले और दूसरे दिन क्रमशः चार और पांच पदक जीते थे। धनुष और माहित की जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 628.8 के स्कोर के साथ बधिर निशानेबाजी का विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि नताशा और मुर्तजा वानिया ने 622.1 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में धनुष और माहित ने हमवतन जोड़ी पर 17-5 से आसान जीत दर्ज की।

नेटफ्लिक्स ने 'IC 814 : द कंधार हाईजैक' में जोड़े आतंकियों के असली नाम

इन दिनों विजय वर्मा अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'IC 814 : द कंधार हाईजैक' को लेकर चर्चा में है। यह सीरीज शुरुआत से विवादों से घिरी हुई है। विवाद इतना बढ़ गया है कि 3 सितंबर को नेटफ्लिक्स के कटेंट प्रमुख सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय के सामने पेश हुए और उन्होंने कंटेंट की समीक्षा का भरोसा दिया है। अब कटेंट प्रमुख मोनिका शेरगिल ने बताया कि 'IC 814' के शुरुआती डिस्क्लेमर में आतंकवादियों के असली नाम जोड़ दिए गए हैं।

क्या अब शांत होगा मामला?

नेटफ्लिक्स ने बयान जारी कर 'IC 814' को लेकर शुरू हुए विवाद को शांत करने की कोशिश की। मोनिका के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि सीरीज के शुरू में उल्लिखित अस्वीकरण (डिस्क्लेमर) में 'IC 814' का काठमांडू से अपहरण करने वाले अपहरणकर्ताओं के असली नाम जोड़ दिए गए हैं। डिस्क्लेमर में वे नाम बताए गए हैं, जो अपहरणकर्ताओं ने इस घटना के दौरान कोड नेम के रूप में आपस में एक-दूसरे को संबोधित करते हुए इस्तेमाल किए।

नसीरुद्दीन शाह भी हैं इस सीरीज का हिस्सा

'IC 814' इंडियन एयरलाइंस के विमान IC 814 के अपहरण पर आधारित है। इस सीरीज में आतंकियों के नाम भोला और शंकर रखे गए हैं। इसको लेकर ही विवाद है। अब इन नामों में बदलाव हो गया है। इस वेब सीरीज में विजय के अलावा नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, पत्रलेखा, अरविंद स्वामी और दीया मिर्जा शामिल हैं।

'द बकिंघम मर्डर्स' का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री करीना कपूर पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म के निर्देशन की कमान हंसल मेहता ने संभाली है, वहीं एकता कपूर इसकी निर्माता हैं। अब निर्माताओं ने 'द बकिंघम मर्डर्स' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। इस फिल्म में करीना एक दमदार पुलिसकर्मी की भूमिका में नजर आएंगी।

13 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

'द बकिंघम मर्डर्स' एक जासूस मां जसमीत भामरा की कहानी है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद 'बकिंघमशायर' में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है, जहां छोटे शहर का लगभग हर व्यक्ति संदिग्ध बन जाता है। इस फिल्म के जरिए करीना बतौर निर्माता अपनी शुरुआत कर रही हैं। 'द बकिंघम मर्डर' आगामी 13 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

अंग्रेजी में भी रिलीज होगी ये फिल्म

'द बकिंघम मर्डर्स' हिंदी के साथ अंग्रेजी भाषा में रिलीज होने जा रही है। अंग्रजी संस्करण में भी फिल्म का ट्रेलर सामना आ गया है। सिनेमाघरों में इस फिल्म अंग्रजी संस्करण में उपलब्ध होगा, वहीं भारतीय दर्शकों के लिए यह फिल्म हिंदी में डब की जाएगी। इस फिल्म में ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। बता दें कि 'द बकिंघम मर्डर्स' का 14 अक्टूबर, 2023 को 67वें BFI लंदन फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

'कॉल मी बे' का नया गाना 'चुराइयां' जारी

अभिनेत्री अनन्या पांडे को आखिरी बार फिल्म 'खो गए हम कहां' में देखा गया था। यह फिल्म पिछले साल 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब अनन्या OTT की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वह पिछले लंबे समय से अपनी पहली वेब सीरीज 'कॉल मी बे' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। निर्माताओं ने इस वेब सीरीज का नया गाना 'चुराइयां' जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

कब और कहां रिलीज होगी 'कॉल मी बे'?

'चुराइयां' के बोल शायरा अपूर्वा ने लिखे हैं। इस गाने को सुवर्णा तिवारी और मुदित चतुर्वेदी ने आवाज दी है। 'कॉल मी बे' का निर्देशन कोलिन डी कुन्हा ने किया है। करण जौहर इसके निर्माता हैं। इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने मिलकर सीरीज की कहानी लिखी है। इसमें अनन्या के अलावा वीर दास और वरुण सूद जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस वेब सीरीज का प्रीमियर 6 सितंबर, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

फिल्म 'GOAT' में नजर आ सकते हैं धोनी

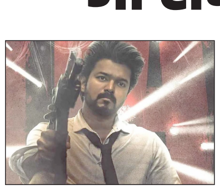

अभिनेता थलापति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' यानी 'GOAT' को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को तमिल के साथ हिंदी भाषा में रिलीज हो रही है। पिछले कुछ दिनों से यह खबर सामने आ रही थी कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी इस फिल्म में नजर आ सकते हैं। अब फिल्म के निर्देशन वेंकट प्रभु ने इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।

कैमियो कर सकते हैं धोनी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'GOAT' में धोनी मेहमान की भूमिका में नजर आ सकते हैं। फिल्म में उनकी धांसू एंट्री हो सकती है। अब वेंकट ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'हम फिल्म 'GOAT' में एक CSK मैच को शामिल कर रहे हैं। अब आप सोच लीजिए कि स्क्रीन पर कौन दिखाई देने वाला है।' इस फिल्म को 300 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है।

अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' को मिली रिलीज तारीख

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को पिछली बार वाणी कपूर और तापसी पन्नू के साथ फिल्म 'खेल खेल में' देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तो खूब तारीफ हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे दर्शक नसीब नहीं हुए। अब अक्षय फिल्म 'स्काई फोर्स' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब खबर आ रही है कि इस फिल्म की रिलीज टल गई है।

24 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी फिल्म

रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्काई फोर्स' अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। यह फिल्म 24 जनवरी, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, क्योंकि यह एक देशभक्ति से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। इसका मतलब है कि 2024 में अक्षय की कोई और फिल्म रिलीज नहीं होगी। इस साल उनकी तीन फिल्में 'बड़े मियाँ छोटे मियां', 'सरफिरा' और 'खेल खेल में' आई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं।

सारा अली खान भी हैं इस फिल्म का हिस्सा

'स्काई फोर्स' में अक्षय के साथ सारा अली खान, निम्रत कौर और वीर पहाड़िया जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वीर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में शुरुआत करने जा रहे हैं। वह राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर मिलकर इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। संदीप फिल्म की कहानी आमिल कीयान खान और निरेन भट्ट के साथ लिख रहे हैं। अमर कौशिक, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं।

दो बजे दोपहर

न्यूज़ ब्रीफ

पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नॉमिनेशन भेजने की आखिरी तारीख 15 सितंबर

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने मंगलवार (3 सितंबर) को कहा कि पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नॉमिनेशन भेजने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी 2025 को होगी। पद्म पुरस्कार 2025 के लिए नॉमिनेशन प्रोसेस 1 मई 2024 से शुरू हुई है। पद्म पुरस्कार- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से हैं। 1954 से दिए जा रहे इस अवॉर्ड की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामलों, सेवा, व्यापार और उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों और सेवा के लिए दिए जाते हैं।

गूगल पर ट्रेंडिंग टॉपिक बना पासपोर्ट सेवा

नई दिल्ली। पासपोर्ट सेवा Google सर्च पर टॉप ट्रेंडिंग टॉपिक्स में से एक है, मंगलवार को इस टॉपिक को सर्च करने वालों लोगों में पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। गूगल ट्रेंड्स के अनुसार, इस विषय पर मंगलवार की सुबह केवल 4 घंटों में 20 हजार से ज्यादा लोगों ने सर्च किया, जो पिछले दिनों के मुकाबले 75 फीसदी ज्यादा है। अब आपको बताते हैं ऐसा क्या हुआ, जो लोगों ने इसे ज्यादा सर्च किया। बता दें कि 29 अगस्त से 2 सितंबर तक ऑनलाइन पोसपोर्ट सेवा बंद करने की बात कही गई थी, जिस वजह से इसे लोगों ने गूगल पर ज्यादा सर्च किया।

नकली नोट छापने वाले मदरसे में आरएसएस से जुड़ीं किताबें मिलीं

प्रयागराज। प्रयागराज के मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में जाली करेंसी छापने के साथ ही एक और बड़ा सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मदरसे में छापेमारी के दौरान पुलिस टीमों को आरएसएस से जुड़ी कई किताबें मिलीं हैं। इन किताबों में आरएसएस को देश का सबसे बड़ा आतंकी संगठन कहा गया है। मदरसे के प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन के कमरे में आरएसएस के ऊपर लिखी गईं आपत्तिजनक किताबें, तस्वीरें मिलने के बाद मामला और गम्भीर हो गया है। अब इसे लेकर बवाल खड़ा हो गया है। खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। आशंका जतायी जा रही है कि मदरसे में पढ़ने वाले कई राज्यों के बच्चों को आरएसएस को आतंकी संगठन बताकर उनका ब्रेन वॉश किया जा रहा था।

कर्नाटक सरकार ने डेंगू बुखार को घोषित किया महामारी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को राज्य में डेंगू बुखार को महामारी के रूप में अधिसूचित किया है। इसमें इसके सभी स्वरूप शामिल हैं। इसके अलावा, कर्नाटक महामारी रोग विनियम 2020 में संशोधन के लिए नियम बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी से जुलाई तक डेंगू के 7362 मामले दर्ज किए गए हैं। डेंगू से निपटने के लिए कार्य योजना का एलान करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, इस साल अब तक 7,362 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक सात लोगों की मौत हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल पास

पीड़ित कोमा में गई या मौत हुई तो दोषी को 10 दिन में होगी फांसी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को एंटी रेप बिल पास हो गया। नए कानून के तहत रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। इसके अलावा पीड़ित के कोमा में जाने या मौत होने पर दोषी को 10 दिन में फांसी की सजा होगी। भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया है। इसे अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक 2024 (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) नाम दिया गया है। अब इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उसके बाद यह राष्ट्रपति के पास जाएगा। दोनों जगह पास होने के बाद यह कानून बन जाएगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर हुआ था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के बाद ममता बनर्जी ने कहा था कि वो राज्य में रेप जैसे अपराध के लिए सख्त कानून बनाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री को भी इसके लिए दो बार चिट्ठी लिखी थी।

सरकार और विपक्ष के 2 बयान...

हम चाहते हैं कानून तत्काल लागू हो, यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। हमें परिणाम चाहिए। इसलिए हम पूरा समर्थन करते हैं। मुख्यमंत्री को जो कहना है कह सकती हैं, लेकिन गारंटी देनी होगी कि यह बिल तुरंत लागू होगा।

– सुवेंदु अधिकारी, नेता प्रतिपक्ष, बंगाल विधानसभा

हमने केंद्रीय कानून में मौजूद खामियों को दूर करने की कोशिश की है। विपक्ष को राज्यपाल से विधेयक पर साइन करने के लिए कहना चाहिए, उसके बाद इसे अधिनियमित करना हमारी जिम्मेदारी है।

– ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बिल से जुड़े 9 सवाल और उनके जवाब...

1. बिल का नाम क्या है और इसका मकसद?

जवाब : बंगाल सरकार ने बिल को अपराजिता वुमन एंड चाइल्ड बिल 2024 नाम दिया है। इसका मकसद वेस्ट बंगाल क्रिमिनल लॉ एंड अमेंडमेंट बिल में बदलाव कर रेप और यौन शोषण के मामलों में महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा बढ़ाना है।

2. दोषी को फांसी की सजा कब होगी?

जवाब : अगर रेप के बाद विक्टिम की मौत हो जाती है या फिर वो कोमा में चली जाती है तो इस स्थिति में रेप के दोषी को फांसी की सजा दी जाए।

3. रेपिस्ट को उम्रकैद दी गई तो जेल की अवधि क्या होगी?

जवाब : बिल में कहा गया है कि रेप-गैंग रेप के दोषी को उम्रकैद की सजा दी जाए। इसमें उसे सारी उम्र जेल में रखा जाए। इस दौरान उसे पैरोल भी ना दी जाए। मौजूदा कानून के तहत उम्रकैद की कम से कम सजा 14 साल है। उम्र कैद की सजा सुनाए जाने के बाद सजा माफी हो सकती है, पैरोल दी जा सकती है। सजा कम भी की जा सकती है, लेकिन जेल में 14 साल बिताने होंगे।

4. बिल में किन-किन धाराओं में बदलाव किया गया है?

जवाब : बिल ड्राफ्ट में भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 64, 66, 70 (1), 71, 72 (1), 73, 124(1) और 124 (2) में बदलाव का प्रस्ताव है। इसमें मुख्य तौर पर रेप की सजा, रेप और मर्डर, गैंगरेप, लगातार अपराध करना, पीड़ित की पहचान उजागर, एसिड अटैक के मामले शामिल हैं। इसमें सेक्शन 65(1), 65 (2) और 70 (2) को हटाने का प्रस्ताव है। इसमें 12, 16 और 18 साल से कम उम्र के दोषियों को सजा दी जाती है।

5. रेप-मर्डर और गैंगरेप की जांच पर बिल में क्या है?

जवाब : ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, रेप के मामलों में जांच 21 दिन के भीतर पूरी कर ली जानी चाहिए। इस जांच को 15 दिन बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस और इसके बराबर की रैंक वाले अधिकारी ही करेंगे, इससे पहले उन्हें लिखित में इसका कारण केस डायरी में बताना होगा।

6. आदतन अपराधियों के लिए कोई प्रावधान है?

जवाब : ऐसे अपराधियों के लिए भी उम्र कैद की सजा का प्रावधान बिल में है। इसमें दोषी को अपनी आयु पूरी करने तक जेल में रहना होगा। साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा।

7. क्या रेप और मर्डर के मामलों के लिए स्पेशल टीम बनेगी?

जवाब : ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, जिला स्तर पर स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का प्रस्ताव है, जिसका नाम अपराजिता टास्क फोर्स होगा। इसकी अगुआई DSP करेंगे। ये टास्क फोर्स नए प्रावधानों के तहत मामलों की जांच के लिए जिम्मेदार होगी।

8. पीड़ितों को जल्द न्याय मिले, इसके लिए क्या बदलाव प्रस्तावित हैं?

जवाब : बिल में कहा गया है कि स्पेशल कोर्ट और स्पेशल जांच टीमें बनाई जाएंगी। इन्हें जरूरी संसाधन और विशेषज्ञ मुहैया कराए जाएंगे, जो रेप और बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामले देखेंगे। इनका काम तेजी से जांच, जल्द न्याय दिलाना और पीड़ित को होने वाले ट्रॉमा को कम करना होगा।

9. रेप केस की मीडिया रिपोर्टिंग के लिए कोई नया रूल?

जवाब : हां, कोर्ट की कार्यवाही को प्रिंट या पब्लिश करने से पहले इजाजत लेनी होगी। अगर ऐसा नहीं किया तो जुर्माने के साथ 3 से 5 साल की सजा का प्रावधान रखा गया है।

10. बिल पास करने के लिए राज्यपाल के बाद राष्ट्रपति के पास क्यों भेजा जाएगा?

जवाब : आपराधिक कानून समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है, इसलिए इसे राज्यपाल और फिर राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी होगी। भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई समवर्ती सूची में वे विषय शामिल हैं जिन पर केंद्र और राज्य सरकार दोनों का अधिकार होता है। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर केंद्र और राज्य सरकार दोनों कानून बना सकते हैं, लेकिन अगर दोनों के कानून में टकराव होता है तो केंद्र सरकार का कानून सर्वोपरि माना जाएगा। समवर्ती सूची में कुल 52 विषय शामिल हैं।

गुजरात में कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर समुद्र में गिरा

तीन क्रू-मेंबर्स लापता, एक को बचाया गया; कार्गो शिप पर रेस्क्यू के लिए गया था

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात के पोरबंदर तट के पास इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) का एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) अरब सागर में गिर गया। हेलिकॉप्टर पर सवार 4 में से 3 क्रू मेंबर्स लापता हैं। एक को बचा लिया गया है। हेलिकॉप्टर का मलबा मिल गया है। घटना सोमवार (2 सितंबर) की है। ICG ने मंगलवार (3 सितंबर) को सुबह 10:12 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर हादसे की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हेलिकॉप्टर पोरबंदर तट से 45 किलोमीटर दूर कार्गो शिप पर रेस्क्यू मिशन के लिए गया था। हेलिकॉप्टर पर 2 पायलट और 2 गोताखोर सवार थे। इनमें से 1 गोताखोर को बचा लिया गया है।

कोस्ट गार्ड ने सर्च के लिए 4 जहाज और 2 विमान भेजे

कोस्ट गार्ड ने बताया कि दोनों पायलट और एक गोताखोर की तलाश के लिए 4 जहाज और 2 विमान भेजे गए हैं। ALH ने हाल ही में गुजरात में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 67 लोगों का रेस्क्यू किया था। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, कार्गो शिप हरि लीला पर एक क्रू मेंबर घायल था। उसे निकालने के लिए सोमवार रात 11 बजे हेलिकॉप्टर गया था। हेलिकॉप्टर हरि लीला के पास पहुंचा ही था, तभी उसे इमरजेंसी हार्ड लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान वह समुद्र में गिर गया।

2023 में ध्रुव हेलिकॉप्टर कई बार हादसे का शिकार हुआ

एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ALH) को ध्रुव भी कहा जाता है। कोस्ट गार्ड, सेना और नेवी, तीनों इसका इस्तेमाल करती हैं। इसे बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने हाल ही में सेना के ALH बेड़े में सुरक्षा से जुड़े अहम अपग्रेडेशन किए हैं। पिछले साल डिजाइन से जुड़ी दिक्कतों के कारण ध्रुव हेलिकॉप्टर कई बार दुर्घटनाओं का शिकार हुआ था, जिससे इसके सेफ्टी पर सवाल खड़े हो गए थे। मई, 2023 में आर्मी ने ध्रुव हेलिकॉप्टर का ऑपरेशंस एक महीने के लिए रोक दिया था। मार्च में नेवी और कोस्ट गार्ड ने ध्रुव हेलिकॉप्टर की अपनी फ्लीट के ऑपरेशंस पर रोक लगाई थी।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

8 दिन की CBI कस्टडी में पूर्व प्रिंसिपल

▶▶ केंद्र का आरोप- आरजी कर अस्पताल में तैनात CISF को बंगाल सरकार नहीं दे रही सुविधाएं

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और अन्य 3 लोगों को 8 दिन की CBI कस्टडी में भेजा दिया गया है। CBI ने इन्हें अलीपुर कोर्ट में मंगलवार (3 सितंबर) को पेश किया। इन लोगों को 2 अगस्त को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका

उधर, केंद्र सरकार ने आज पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका लगाई है। केंद्र का आरोप है कि बंगाल सरकार आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा में तैनात CISF जवानों को परिवहन और आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं करा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 21 अगस्त को CISF के 92 जवान आरजी कर की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। इनमें 54 महिलाएं भी हैं। इन्हें अपने हथियार रखने की भी जगह नहीं मिली है। केंद्र सरकार के अनुरोध के बाद भी बंगाल सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही।

जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन 25वें दिन भी जारी : वहीं, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ 8-9 अगस्त की रात रेप-मर्डर केस में जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन 25वें दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी डॉक्टर पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

त्रिपुरा में राज्यसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत

कांग्रेस ने माकपा का नहीं दिया साथ, नहीं की वोटिंग

एजेंसी । अगरतला

त्रिपुरा की एकमात्र राज्यसभा सीट के चुनाव में भाजपा के राजिब भट्टाचार्य ने जीत हासिल की। उन्होंने कहा, मतदान पूरा हो चुका है। मुझे साठ वोट में से 47 मिले हैं। मैं त्रिपुरा के विकास के लिए काम करूंगा। वहीं, कांग्रेस ने चुनाव में मतदान से दूरी बनाए रखी। इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी माकपा ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और माकपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने कहा, हमने राज्यसभा चुनाव का बहिष्कार नहीं किया है। पार्टी ने हाल के हास्यास्पद पंचायत चुनावों के विरोध में मतदान न करने का फैसला लिया, क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए खतरा बन चुके हैं।

आंध्र-तेलंगाना में बारिश से हाहाकार

अब तक 31 लोगों की मौत, 432 ट्रेनें रहीं कैंसिल

एजेंसी । हैदराबाद/विजयवाड़ा

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश के कारण अब तक 31 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा आवागमन के साधन जैसे सड़कें और रेल पटरियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। वहीं हजारों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई है और एजेंसियों को बचाव एवं पुनर्वास के काम में लगाया गया है। दोनों तेलुगु भाषी राज्य सोमवार को बारिश के कारण प्रभावित रहे। वर्षाजनित घटनाओं में तेलंगाना में 16 लोग और पड़ोसी आंध्र प्रदेश में 15 अन्य लोगों की मौत हो गई। तेलंगाना के समुद्रम के नजदीक रेल की पटरियों के नीचे बजरी का एक हिस्सा बाढ़ के पानी के कारण बह गया। वहीं आंध्र प्रदेश में करीब 4.5 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। विजयवाड़ा में दूध समेत जरूरी सामान लेने के लिए लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

NDRF और SDRF की टीमें तैनात

एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में एनटीआर, गुंटूर, कृष्णा, एलुरु, पालनाडु, बापटला और प्रकाशम शामिल हैं। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की 20 और एनडीआरएफ की 19 टीमें लगी हुई हैं। पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और कई हिस्सों में 24 घंटे से अधिक समय तक बिजली कटौती के कारण विजयवाड़ा में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ के बीच इंटरनेट और मोबाइल टेलीफोन सेवाएं बाधित हो गई हैं। हैदराबाद से कनेक्टिविटी प्रभावित हो गई। विजयवाड़ा शहर और उसके आसपास के इलाकों में परिवहन सेवाएं अस्त-व्यस्त हो गई हैं। वहीं प्रकाशम बैराज से सोमवार सुबह आठ बजे तक 11.3 लाख क्यूसेक बाढ़ का पानी छोड़ा गया।

तेलंगाना में 16 लोगों की मौत

इसके अलावा तेलंगाना में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। राज्य सरकार ने सोमवार को शुरुआती तौर पर 5,000 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया। राज्य सरकार ने 2,000 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता की तत्काल मांग की। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रभावित इलाकों का दौरा करने और बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अपील की। उन्होंने बारिश से जुड़ी घटनाओं में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के तहत सूर्यपेट में मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक की।

432 ट्रेनें की गई कैंसिल : वहीं दक्षिण मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश और कई स्थानों पर पटरियों पर जलभराव के कारण 432 ट्रेन रद्द कर दी गईं और 13 ट्रेन आंशिक रूप से रद्द की गई हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर तक 139 ट्रेन का मार्ग बदला गया। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य जारी है। दोनों राज्यों में लगातार बारिश के कारण काजीपेट-विजयवाड़ा खंड में बाढ़ आने और दरारें आने की खबर है और पांच ट्रेन फंसी हुई हैं।

अनूठी खोज › प्राचीन हिंदू ग्रंथ देख खगोलशास्त्री भी हैरान

ऋग्वेद में 6 हजार साल पहले के सूर्य ग्रहण का जिक्र

एजेंसी । नई दिल्ली

हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसी अनूठी खोज की है जो इतिहास के सबसे प्राचीन सूर्यग्रहण की जानकारी दे सकती है। प्राचीन हिंदू ग्रंथ ऋग्वेद में उन्होंने एक ऐसे सूर्यग्रहण का उल्लेख पाया है जो लगभग 6,000 साल पहले घटित हुआ था। ऋग्वेद की रचना लगभग 1500 ईसा पूर्व हुई था। यह एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें अनेक धार्मिक और दार्शनिक विचारधाराओं के साथ-साथ ऐतिहासिक घटनाओं का भी उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस ग्रंथ में अधिकांश घटनाएं उस समय की हैं जब यह लिखा गया था, लेकिन कुछ घटनाएं इससे भी पहले की हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के खगोलशास्त्री मयंक वाहिया और जापान के नेशनल एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्जर्वेटरी के मित्सुरु सोमा ने ₹जर्नल ऑफ एस्ट्रोनॉमिकल हिस्ट्री एंड हेरिटेज₹ में छपे अपने रिसर्च पेपर में इस प्राचीन सूर्यग्रहण का उल्लेख किया है। उनके अनुसार, ऋग्वेद में वर्णित यह घटना संभवतः अब तक के सबसे प्राचीन सूर्यग्रहण का दस्तावेज हो सकती है।

घटना किस समय काल में हुई होगी?

ऋग्वेद में कई स्थानों पर वसंत विषुव (vernal equinox) के दौरान सूर्य के उदय की स्थिति का वर्णन किया गया है। एक संदर्भ में इसे ओरायन तारामंडल में होने का उल्लेख है, जबकि दूसरे में इसे प्लेयाड्स में बताया गया है। पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण, समय के साथ इन महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाओं की स्थिति बदलती रहती है। वर्तमान में, वसंत विषुव मीन राशि में होता है, लेकिन लगभग 4500 ईसा पूर्व यह ओरायन में था और 2230 ईसा पूर्व यह प्लेयाड्स में था। इस जानकारी के आधार पर, खगोलविदों ने यह पता लगाया है कि यह घटना किस समय काल में हुई होगी।ऋग्वेद के जिन अंशों में सूर्य ग्रहण का वर्णन किया गया है, वे सीधे तौर पर इस खगोलीय घटना का उल्लेख नहीं करते, बल्कि सूर्य को ₹अंधकार और उदासी से छेदे जाने₹ और ₹दुष्ट प्राणियों द्वारा सूर्य के जादू

को गायब कर दिए जाने₹ की बात करते हैं। ये विवरण उस समय के लोगों की भावना और खगोलीय घटनाओं की उनकी समझ को दर्शाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन विवरणों का संबंध राहु और केतु की कहानी से नहीं है, जो कि बाद की मिथक कथाएं बनकर रह गए। इसके अलावा, इन वर्णनों ने खगोलविदों को सूर्य ग्रहण की समय सीमा को मांपने में भी मदद की। उन्होंने यह सुझाव दिया कि यह घटना शरद विषुव से तीन दिन पहले हुई थी, और यह वहां हुई होगी जहां ऋग्वेद के लेखक रहते थे। खगोलविदों के अनुसार, इस घटना के घटित होने की केवल दो संभावित तिथियां हैं – 22 अक्टूबर, 4202 ईसा पूर्व और 19 अक्टूबर, 3811 ईसा पूर्व। जानकर हैरानी होगी कि ये दोनों तिथियां सूर्य ग्रहणों के सबसे पुराने ज्ञात अभिलेखों में उल्लेखित तिथियों से कहीं अधिक पुरानी हैं।

सिद्धारमैया के सोशल मीडिया अकाउंट पर हर महीने खर्च होता है 54 लाख

एजेंसी । बेंगलुरु

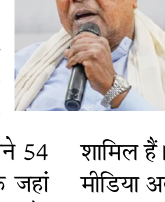

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल एक आरटीआई के जवाब से पता चला है कि सीएम सिद्धारमैया का कार्यालय उनके सोशल मीडिया अकाउंट को संभालने के लिए हर महीने 54 लाख रुपए खर्च करता है। एक तरफ जहां धन की कमी की बात सामने आ रही है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रे सरकार के मुखिया अपने प्रचार के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। ये बात अब लोगों को अखर रही है। इसमें सीएण के अधिकारिक और व्यक्तिगत दोनों सोशल मीडिया अकाउंट शामिल हैं। सीएम सिद्धारमैया के सभी सोशल मीडिया अकाउंट को संभालनेके लिए एक 35 सदस्यीय टीम है।

आरटीआई में खुलासा

बता दें कि आरटीआई कार्यकर्ता मारलिंगा गौड़ा माली पाटिल ने ये आरटीआई दायर की थी। इस आरटीआई के जवाब में सीएमओ अधिकारियों ने सिद्धारमैया के सोशल मीडिया पर खर्च की पुष्टि करते हुए बताया कि यह राशि पिछले मुख्यमंत्रियों द्वारा इस महीने और हर महीने किए गए खर्च 2 करोड़ से कम है। कर्नाटक स्टेट मार्केटिंग और एडवरटाइजिंग लिमिटेड नाम की सरकारी संस्था की ओर से पाटिल को दिए गए जवाब के अनुसार, सीएमओ ने पिछले साल 25 अक्तूबर से मार्च 2024 तक करीब 3 करोड़ रुपए खर्च किए। इस विवरण से पता चला कि सीएमओ ने हर महीने करीब 53 .9 लाख रुपए का भुगतान किया, जिसमें 18 फीसदी भी शामिल है। यह पैसा पॉलिसी फ्रंट नामक कंपनी को दिया गया है, जो लगभग 35 सदस्यों की टीम के साथ सिद्धारमैया के सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स को संभालती है।